हिन्दी सान्ध्य दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष : 02 अंक : 38 : जौनपुर, बुधवार 01 नवम्बर 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज - 4 मूल्य : 2 रूपया

हमें भारत को अगले 25 वर्षों में विकसित देश बनाना है, केवड़िया में बोले पीएम मोदी

एजेन्सी

केवड़िया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभ भाई पटेल की 148 वीं जयंती पर मंगलवार को गुजरात में 'स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। पीएम मोदी ने एकता नगर रेलवे स्टेशन से अहमदाबाद के लिए स्टीम इंजन वाली गुजरात की पहली हेरिटेज ट्रेन का शुभारंभ किया। गुजरात के एकता नगर में राष्ट्रीय एकता दिवस परेड पर प्रधानमंत्री ने कहा कि, श्अगले 25 साल भारत के लिए इस दशक के सबसे महत्वपूर्ण 25 साल हैं। इन 25 सालों में हमें अपने भारत को समृद्ध बनाना है। पीएम ने कहा कि इस कार्यक्रम में भाग लेने के लिए एकत्र हुए युवाओं और बहादुरों का उत्साह राष्ट्रीय एकता दिवस की एक बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री मोदी ने अपने संबोधन में कहा, एक तरह से आज मेरे सामने लघु भारत का रूप दिखाई दे रहा है, भाषा अलग है, परंपरा अलग है, लेकिन यहां उपस्थित प्रत्येक व्यक्ति एकजुट है। यह एक मजबूत सूत्र से जुड़ा है। 15 अगस्त को लाल किले पर कार्यक्रम, 26 जनवरी को कर्तव्य पथ पर परेड और नर्मदा के तट पर एकता दिवस समारोह ये तीन शक्तियां बन गई हैं। पीएम मोदी ने कहा कि, एकता नगर

आने वाले लोगों को न केवल इस भव्य प्रतिमा के दर्शन होते हैं बल्कि सरदार साहब के जीवन, बलिदान और एक भारत के निर्माण में उनके योगदान की झलक भी मिलती है। इस प्रतिमा के निर्माण की कहानी ही एक भारत–श्रेष्ठ भारत की भावना को दर्शाती है। देशभर में रन फॉर यूनिटी में लाखों लोग हिस्सा ले रहे हैं। लाखों लोग सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए इसमें हिस्सा ले रहे हैं। जब हम 140 करोड़ भारतीयों में एकता का यह प्रवाह देखते हैं, तो ऐसा लगता है जैसे सरदार साहब के आदर्श एक भारत–श्रेष्ठ भारत के संकल्प के रूप में हमारे भीतर दौड़ रहे हैं। सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जाता है। गुजरात के एकता नगर में राष्ट्रीय एकता दिवस परेड पर अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा, ष्अगले 25 साल भारत के लिए इस दशक के सबसे महत्वपूर्ण 25 साल हैं। इन 25 सालों में हमें अपने भारत को समृद्ध बनाना है। हमारा भारत विकसित हुआ। आजादी से पहले 25 वर्षों का कालखंड था, जिसमें प्रत्येक देशवासी ने स्वतंत्र भारत के लिए अपना बलिदान दिया था। अब, अगले 25 वर्ष हमारे लिए एक अवसर है और हमें हर लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सरदार पटेल से प्रेरणा लेनी होगी। पीएम मोदी ने कहा, आज पूरी दुनिया की नजर भारत पर है। आज भारत उपलब्धियों के नए शिखर पर है। जी20 समिट में भारत की क्षमता देखकर दुनिया हैरान है। हमें गर्व है कि कई वैश्विक संकटों के बीच भी हमारी सीमाएं सुरक्षित हैं। हमें गर्व है कि अगले कुछ वर्षों में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहे हैं। हमें गर्व है कि आज भारत चंद्रमा के उस हिस्से पर पहुंच गया है, जहां कोई नहीं देश दुनिया में पहुंचने में सक्षम है। हमें गर्व है कि आज भारत तेजस लड़ाकू विमान से लेकर आईएनएस विक्रांत तक खुद बना रहा है। हमें गर्व है कि आज भारत में हमारे पेशेवर दुनिया की अरबों डॉलर की कंपनियों को चला रहे हैं और उनका नेतृत्व कर रहे हैं। हमें गर्व है कि आज दुनिया के बड़े–बड़े खेल आयोजनों में तिरंगे की शान लगातार बढ़ रही है। हमें गर्व है कि हमारे युवा रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं, पदक जीत रहे हैं। गुजरात के एकता नगर में राष्ट्रीय एकता दिवस परेड में पीएम मोदी ने कहा, भारत ने अपने नौसैनिक ध्वज से गुलामी के प्रतीक को हटा दिया है। गुलामी के दौर में बने अनावश्यक कानूनों को भी हटाया जा रहा है। आईपीसी की जगह भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) ने ले ली है।ष जहां इंडिया गेट पर कभी विदेशी ताकत के प्रतिनिधि की मूर्ति थी, वहां अब नेताजी सुभाष की मूर्ति हमें प्रेरणा दे रही है...किसने सोचा था कि जम्मू–कश्मीर से धारा 370 हट जाएगी? आज कश्मीर आतंकवाद से मुक्त है। भारत और कश्मीर के बीच धारा 370 की दीवार हटा दी गई है और कश्मीर के लोग आतंकवाद के साये से बाहर आ गए हैं। बता दें कि, केवड़यिा में प्रधानमंत्री ने 160 करोड़ रुपये की कई विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया जिनमें एकता नगर से अहमदाबाद तक हेरिटेज ट्रेन, नर्मदा आरती सजीव प्रसारण लिए परियोजना, कमलम पार्क, स्टैच्यू ऑफ यूनिटी के भीतर एक पैदल मार्ग, 30 नई ई–बसें, 210 ई–साइकिलें और कई गोल्फ कार्ट, एकता नगर में सिटी गैस वितरण नेटवर्क और गुजरात राज्य सहकारी बैंक का'सहकार भवनश का लोकार्पण तथा केवडिया में ट्रॉमा सेंटर और एक सौर पैनल के साथ उप–जिला अस्पताल शिलान्यास शामिल है। प्रधानमंत्री ने वीडियो लिंक के माध्यम से हैरिटेज ट्रेन की हरी झंडी दिखाई। प्रत्येक रविवार को एकता नगर से अहमदाबाद के बीच चलने वाली यह साप्ताहिक गाड़ी 182 किलोमीटर की दूरी तीन घंटे 40 मिनट में तय करेगी। गाड़ी यात्रियों के लिए पांच नवंबर से उपलब्ध होगी।

राजनाथ सिंह और सीएम योगी ने सरदार पटेल को दी श्रद्धांजलि, रन फॉर यूनिटी का किया शुभारंभ

एजेन्सी

लखनऊ। लौहपुरुष 'भारत रत्न सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती (राष्ट्रीय एकता दिवस) के अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

हजरतगंज स्थित सरदार पटेल स्मारक पार्क में उनकी प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। इससे पहले रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनको श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एकता दौड़ 'रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखाकर शुभारंभ किया। कार्यक्रम में डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, सांसद कौशल किशोर, कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना, मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्रा आदि मौजूद रहे। योगी ने राष्ट्रीय एकता के आधार स्तंभ और भारत माता के महान सपूत लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल को श्रद्धांजलि अर्पित करने के बाद कहा कि वर्ष 1947 में जब देश आजाद हुआ था, तब स्वतंत्र भारत में अलग–अलग रियासतों को भारत गणराज्य का हिस्सा बनाने के लिए लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल ने महत्वपूर्ण योगदान दिया था। उन्होने कहा कि भले ही उनके कार्यकाल के दौरान उन्हें तत्कालीन सरकारों ने सम्मान न दिया हो, लेकिन 2014 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रति श्रद्धा और सम्मान का भाव व्यक्त करते हुए 31 अक्टूबर को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने की शुरुआत की। इस अवसर पर देशवासी जाति, मत, मजहब, क्षेत्र और भाषा को भुला कर एक साथ एकता दौड़'रन फॉर यूनिटीश्में शामिल हो करके सरदार वल्लभ भाई पटेल के प्रति अपनी कृतज्ञता ज्ञापित करते हैं। योगी ने शार्ट नोटिस पर बड़ी संख्या में एकता दौड़'रन फॉर यूनिटीश्में शामिल होने आए बच्चों, युवाओं और बुजुर्गों को धन्यवाद देते हुए उनका आभार प्रकट किया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि आज के दिन हमें उन सभी स्वतंत्रता सेनानियों और नेताओं का स्मरण करना चाहिए, जिन्होंने भारत को आजाद कराने में और स्वतंत्र भारत के निर्माण में प्रमुख भूमिका निभाई थी। उन्होंने कहा कि जब भारत आजाद हुआ था तो वह 562 रियासतों में बंटा हुआ था। अंग्रेजों ने जानबूझ कर रियासतों को विलय करने या अलग रहने का निर्णय करने का मौका दिया था। ऐसे में देश के गृहमंत्री के रूप में सरदार वल्लवभाई पटेल के सामने क्या कठिन परिस्थिति और चुनौती रही होगी, इसकी आज कल्पना करना भी मुश्किल है। उन्होंने कहा कि यह सरदार पटेल की दूरदर्शिता और उनकी कूटनीतिक एवं रणनीतिक क्षमता का ही परिणाम था कि भारत की एकता और अखण्डता सुनिश्चित की जा सकी। आप सभी ने जूनागढ़ रियासत और निजामशाही से जुड़ी घटनाओं के बारे में सुना होगा। सरदार पटेल ने इन दोनों रियासतों का भारत में विलय कराया। जम्मू एवं कश्मीर के विलय का काम भी अगर सरदार पटेल को ही सौंपा गया होता तो संविधान की धारा 370 की समस्या पैदा ही नहीं हुई होती।

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने सरदार पटेल को उनकी जयंती पर किया याद

एजेन्सी

नयी दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कई अन्य लोगों ने मंगलवार को देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल को उनकी 148वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति मुर्मू, उपराष्ट्रपति धनखड़, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और कई अन्य गणमान्य व्यक्तियों ने मंगलवार को राजधानी के पटेल चौक पर उन्हें पुष्पांजलि अर्पित की। एक्स पर एक पोस्ट में, राष्ट्रपति भवन ने कहा, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाए जाने पर नयी दिल्ली के पटेल चौक पर पुष्पांजलि अर्पित की। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में सरदार पटेल को श्रद्धांजलि देते हुए कहा, ष्सरदार पटेल की जयंती पर, हम उनकी अदम्य भावना, दूरदर्शी राजनेता और असाधारण समर्पण को याद करते हैं, जिसके साथ उन्होंने हमारे देश की नियति को आकार दिया। राष्ट्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता, एकीकरण हमारा मार्गदर्शन करता रहता है। हम

उनकी सेवा के प्रति सदैव ऋणी रहेंगे। फिलहाल प्रधानमंत्री गुजरात में हैं और स्टैच्यू ऑफ यूनिटी पर सरदार को पुष्पांजलि अर्पित करेंगे। गृह मंत्री शाह ने एक्स पर कहा, भारत की एकता और समृद्धि सरदार वल्लभभाई पटेल के जीवन का एकमात्र उद्देश्य था। अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति, राजनीतिक ज्ञान और कड़ी मेहनत के साथ, उन्होंने 550 से अधिक भागों में विभाजित भारत को एक अखंड राष्ट्र बनाने के लिए काम किया। सरदार पटेल का राष्ट्र के प्रति समर्पित जीवन और देश के पहले गृह मंत्री के रूप में राष्ट्र–निर्माण कार्य हमें सदैव प्रेरित करते रहेंगे। लौह पुरुष सरदार पटेल जी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि और सभी देशवासियों को शुभकामनाएं श्राष्ट्रीय एकता दिवस। शाह ने मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय एकता दिवस समारोह में भी भाग लिया और मेजर ध्यानचंद नेशनल स्टेडियम में रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने राष्ट्रीय राजधानी में सरदार पटेल की जयंती पर एकता की शपथ भी दिलाई।

मप्र में चुनाव प्रचार में 100 गाड़ी के उपयोग पर शिकायत दर्ज

एजेन्सी

भोपाल। मध्य प्रदेश में हो रहे विधानसभा चुनाव के लिए नामांकन भरने की प्रक्रिया पूरी हो गई है। नामांकन भरने के दौरान उम्मीदवारों ने अपनी पूरी ताकत का प्रदर्शन किया और रैली निकाली जिसमें सैकड़ो छोटे बड़े वाहन थे। इसी के चलते भिंड जिले में दो उम्मीदवारों के खिलाफ 100 से अधिक वाहनों के उपयोग पर मामला दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार, भिंड जिले में भाजपा उम्मीदवार नरेंद्र सिंह कुशवाहा और बसपा उम्मीदवार संजीव कुशवाहा ने नामांकन भरने के दौरान शक्ति प्रदर्शन किया। इसी का नतीजा रहा कि दोनों उम्मीदवारों की रैली में 100 से भी ज्यादा छोटे और बड़े वाहन थे जिनकी निर्वाचन अधिकारी से अनुमति नहीं ली गई थी। रैली में भारी संख्या में वाहनों का उपयोग किए जाने के चलते जाम की स्थिति बनी और आम लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ा।

मुलायम सिंह यादव की स्मृति में सैफई में 8.3 एकड़ में बनेगा भव्य स्मारक, लगाई जाएगी नेताजी की कांस्य प्रतिमा

एजेन्सी

लखनऊ। समाजवादी पार्टी (सपा) के संस्थापक मुलायम सिंह यादव की स्मृति में उनके पैतृक गांव इटावा जिले के सैफई में एक भव्य स्मारक

बनाया जाएगा। सपा मुख्यालय में पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने इसकी घोषणा की। यह स्मारक 8.3 एकड़ जमीन में बनाया जाएगा। इसमें मुलायम सिंह यादव (नेताजी) की कांस्य प्रतिमा भी लगाई जाएगी। अखिलेश यादव ने कहा, ''कोशिश होगी कि बहुत जल्द 2027 से पहले यह स्मारक बन जाए। अखिलेश यादव ने कहा कि नेताजी जीवन भर मिट्टी से जुड़े रहे और गांव से शुरू कर देश की राजनीति में अपना स्थान बनाया। 22 नवंबर को नेताजी की जयंती पर स्मारक का शिलान्यास होगा। नेताजी को सबसे ज्यादा सैफई से लगाव था। स्मारक निर्माण की घोषणा करने से पहले सपा प्रमुख अखिलेश यादव, महासचिव शिवपाल सिंह यादव, वरिष्ठ नेता उदय प्रताप सिंह समेत कई प्रमुख नेताओं ने देश के पहले गृह मंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल और समाजवादी नेता आचार्य नरेन्द्र देव की जयंती पर अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। स्मारक के संबंध में पूर्व सांसद उदय प्रताप सिंह ने पूरा ब्यौरा दिया और इस सिलसिले में एक प्रस्तुति भी की गयी। उन्होंने बताया, ''सैफई में नेताजी मुलायम सिंह यादव की स्मृति में एक भव्य स्ध्मारक बनाया जाएगा। यह स्मारक 8.3 एकड़ जमीन में बनाया जाएगा। स्मारक में 4.5 एकड़ जमीन पर भव्य पार्क और जन सुविधाओं के प्रबंधन की योजना है। इस स्मारक में लोक कलाओं की झलक और गुणवत्ता का ध्यान रखा जाएगा। बीच में एक सभागार होगा जिसमें नेताजी की एक भव्य कांस्य प्रतिमा लगायी जाएगी। नेताजी सबसे ज्यादा लोक भाषा, लोक सभ्यता, लोक कला और लोक आचरण पर ध्यान देते थे। उनके इसी विचार को साकार रूप देने के लिए स्मारक को उसी तरह से बनाया जाएगा। स्मारक की बनावट में जमीन से जुड़े हुए भारत के गौरव नेताजी की सादगी और गुणवत्ता की भी झलक देखने को मिलेगी।

पूर्व सांसद ने कहा, ''इस स्मारक में दृश्यावली आर्ट गैलरी बनाई जाएगी जिसमें एक रंग पट्टिका होगी। ये चित्र नेताजी के जीवन व विचारों से संबंधित होंगे और वास्तुकला भारतीय होगी। स्मारक के चारों तरफ एक लंबी दीर्घा बनेगी जिससे समाधि स्थल तक पहुंचा जा सकेगा। समाधि स्थल भी दृश्यावलियों की श्रृंखला से दोनों तरफ सुसज्जित होगा। गैलरी में सभी चित्र नेताजी के जीवन से संबंधित होंगे। प्रवेश द्वार से समाधि स्ध्थल तक पहुंचने के लिए दृश्यावलियों में नेताजी के संघर्ष की कहानी होगी।

मिग-21 बाइसन विमान ने भरी आखिरी उड़ान, वायुसेना ने दी विदाई

एजेन्सी

नयी दिल्ली। एक युग के अंत के रूप में भारतीय वायुसेना के मिग–21 बाइसन विमान को आखिरी बार भारतीय आसमान में उड़ाया गया। विमान को राजस्थान के बाड़मेर जिले के उत्तरलाई के आसमान में देखा गया। वायु सेना के मुताबिक 30 अक्टूबर को इस अवसर को चिह्नित करने के लिए मिग–21 बाइसन ने आधुनिक फाइटर जेट सुखोई 30 एमकेआई के साथ उड़ान भरी। इस समारोह के दौरान तीनों सेनाओं के सैनिक मौजूद रहे। रक्षा मंत्रालय ने इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए बताया कि मिग–21 स्क्वाड्रन ने लगभग छह दशकों तक देश की सेवा की है। भारत–पाक संघर्षों के दौरान भी मिग–21 स्क्वाड्रन ने युद्ध प्रयासों में महत्वपूर्ण योगदान दिया। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि ष्ओरियल्सष के नाम से जाना जाने वाला स्क्वाड्रन 1966 से मिग–21 का संचालन कर रहा है। अब इस स्क्वाड्रन को सुखोई–30 एमकेआई विमान से सुसज्जित किया जा रहा है। रक्षा मंत्रालय के मुताबिक यह परिवर्तन देश के आसमान को आधुनिक बनाने और उसकी रक्षा करने के लिए भारतीय वायु सेना की अटूट प्रतिबद्धता को दर्शाता है। दरअसल भारतीय वायु सेना ने अपने मिग–21 लड़ाकू विमानों के उड़ान भरने पर रोक लगाने की प्रक्रिया काफी पहले ही शुरू कर दी थी। गौरतलब है कि मिग–21 फाइटर जेट बीते 6 दशकों से भारतीय वायु सेना के बेड़े का महत्वपूर्ण विमान है। वायु सेना के मुताबिक यह रोक मिग–21 लड़ाकू विमानों के पूरे बेड़े पर लगाई गई है। बीते दिनों राजस्थान में मिग–21 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। इसके बाद भी वायु सेना ने यह विमान न उड़ाने का निर्णय लिया था। भारतीय वायु सेना के मुताबिक राजस्थान हादसे की जांच पूरी होने तक मिग–21विमानों के बेड़े यह प्रतिबंध लागू था।

जहां एक और भारतीय वायु सेना के पास आधुनिकतम फाइटर जेट सुखोई मौजूद है, वहीं बीते वर्ष दिसंबर में आधुनिक फाइटर जेट राफेल की अंतिम किस्त भी भारत पहुंच चुकी है। इसी के साथ ही भारत फ्रांस के बीच हुआ राफेल सौदा पूरा हो गया है। भारत और फ्रांस के बीच कुल 36 राफेल फाइटर जेट को लेकर सौदा हुआ था और अब भारत को सभी 36 राफेल मिल चुके हैं।

फोन हैक कराने का आरोप बिल्कुल बेबुनियाद और गलत : रविशंकर प्रसाद

एजेन्सी

नयी दिल्ली। विपक्षी नेताओं द्वारा सरकार पर अपना फोन टेप करवाने के लगाए जा रहे आरोपों का जवाब देते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री रविशंकर प्रसाद ने कहा है कि सरकार पर लगाए जा रहे आरोप बिल्कुल बेबुनियाद और गलत हैं, इन नेताओं को एप्पल से सफाई मांगनी चाहिए कि यह किस तरह का मैसेज है और कंपनी के जवाब से असंतुष्ट होने पर एफआईआर करवानी चाहिए। विपक्षी नेताओं द्वारा लगाए जा रहे आरोपों के बारे में भाजपा मुख्यालय में मीडिया द्वारा पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए रविशंकर प्रसाद ने कहा कि इन नेताओं को एफआईआर करने से कौन रोक रहा है? यह क्या मैसेज है और क्यों भेजा गया है, इसके बारे में तो एप्पल कंपनी ही सफाई दे सकती है ? उन्होंने कहा कि शशि थरूर तो स्वयं आईटी से जुड़ी स्टैंडिंग कमेटी के अध्यक्ष रह चुके हैं, वह इस मामले में एप्पल कंपनी से क्लेरिफिकेशन क्यों नहीं मांगते हैं? प्रसाद ने चुनौती देते हुए कहा कि अगर ये नेता एप्पल की सफाई से संतुष्ट नहीं होते हैं तो जाकर एफआईआर करवाएं। प्रसाद ने इन नेताओं के आरोपों को राहुल गांधी द्वारा लगाए गए आरोपों के समान बताते हुए कटाक्ष किया कि यह इस तरह का मामला लग रहा है जैसे राहुल गांधी ने देश भर में हल्ला मचाया था कि पेगासस से उनके फोन की जासूसी हो रही है लेकिन जब सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें अपना फोन जांच कमेटी को जांच के लिए देने को कहा तो उन्होंने नहीं दिया। रविशंकर प्रसाद ने सरकार पर लगाए जा रहे आरोपों को बेबुनियाद और गलत बताते हुए।

2 नवंबर को अरविंद केजरीवाल को किया जा सकता है गिरफ्तार, ईडी ने दिल्ली सीएम को भेजा समन

एजेन्सी

नयी दिल्ली। दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित मामले में ईडी द्वारा मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को समन किए जाने के बाद आप नेता आतिशी ने कहा कि आशंका है कि अरविंद केजरीवाल को दो नवंबर को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। भाजपा सीबीआई, ईडी का इस्तेमाल कर अन्य मुख्यमंत्रियों को भी निशाना बनाएगी। आतिशी ने कहा कि भाजपा, आम आदमी पार्टी को खत्म करना चाहती है, अगर केजरीवाल गिरफ्तार होते हैं तो इसकी वजह भाजपा के खिलाफ उनकी लड़ाई होगी। बता दें कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में पूछताछ के लिए दो नवंबर को तलब किया है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह जानकारी दी। केजरीवाल (55) को धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत समन जारी किया गया है और सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली में मामले के जांच अधिकारी के सामने पेश होने के बाद एजेंसी मुख्यमंत्री का बयान दर्ज करेगी। सूत्रों के मुताबिक आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक को दो नवंबर को पूर्वाह्न 11 बजे ईडी के दिल्ली स्थित कार्यालय में पेश होने के लिए कहा गया है। यह पहली बार है जब केजरीवाल को ईडी ने समन भेजा है। अप्रैल में इस मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने उनसे पूछताछ की थी। आप नेता और दिल्ली के मंत्री सौरभ भारद्वाज ने इस पर कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री को प्रवर्तन निदेशालय के नोटिस से यह स्पष्ट है कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार का एकमात्र उद्देश्य आम आदमी पार्टी (आप) को खत्म करना है। ईडी ने मामले में दाखिल अपने आरोपपत्रों में कई बार केजरीवाल के नाम का उल्लेख किया है और कहा है कि अब निरस्त की जा चुकी दिल्ली आबकारी नीति–2021–22 को तैयार करने और लागू करने के संबंध में आरोपी आम आदमी पार्टी (आप) के नेता केजरीवाल के संपर्क में थे। ईडी ने एक आरोपपत्र में दावा किया है कि उसने कथित तौर पर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता से जुड़े अकाउंटेंट बुचीबाबू का बयान दर्ज किया है।

सम्पादकीय

असमंजस की अनुपस्थिति

सुरक्षा परिषद के कई असफल प्रयासों के बाद आखिरकार संयुक्त राष्ट्र महासभा ने इस्राइल–हमास संघर्ष पर रोक लगाने के आह्वान का प्रस्ताव पारित कर दिया। जिसके पक्ष में 120 व विरोध में 14 वोट पड़े। जबकि अनुपस्थित रहने वाले देशों की संख्या 45 रही। भारत को छोड़कर सभी दक्षिण एशियाई देशों ने गाजा युद्धविराम के प्रस्ताव के पक्ष में मतदान किया। इतना ही नहीं ग्यारह सदस्यीय ब्रिक्स प्लस समूह में भारत एकमात्र ऐसा देश रहा, जिसने मतदान में भाग नहीं लिया। निस्संदेह, यह प्रस्ताव गैर–बाध्यकारी है। लेकिन इसका अपना राजनीतिक महत्व है। जो फलस्तीन के मुद्दे पर अमेरिका व इस्राइल के अलगाव को दर्शाता है। भारत की विदेश नीति का इतिहास बताता है कि हमने ऐसे हर प्रस्ताव पर अधिकांश देशों के साथ युद्ध रोकने के लिये मतदान किया। भले ही भारत आतंकवाद के मुद्दे पर अपना बीच का रास्ता चुनने का दावा कर सकता है, लेकिन इससे उसकी फलस्तीन को लेकर चली आ रही दीर्घकालिक नीति को चुनौती मिलती है। सरकार की तरफ से आधिकारिक स्पष्टीकरण था कि भारत चाहता है कि प्रस्ताव के पाठ में हमास का विशेष रूप से उल्लेख किया जाए। लेकिन यह स्पष्ट है कि फलस्तीनी लोग एक बड़ी त्रासदी झेल रहे हैं। इस महीने उनके आठ हजार से अधिक लोग मारे जा चुके हैं और बीस लाख जीवन के लिये संघर्ष कर रहे हैं। निस्संदेह, वे सभी हमास का प्रतिनिधित्व नहीं करते। जाहिरा तौर पर अमेरिका व उसके साझेदारों का सीधे विरोध न करने की भारत की नीति के निहितार्थ हैं। जिसके मूल में अपने व्यापार का विस्तार, अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी की खरीद तथा चीन के दबाव का मुकाबला करने के लिये पश्चिमी देशों की मदद लेने की रणनीति ही है। लेकिन ध्यान रहे कि धीरे–धीरे गाजा का संकट घातक दौर की ओर बढ़ रहा है। कालांतर में इसकी चपेट में दुनिया के दूसरे देश भी आ सकते हैं। निस्संदेह, गाजा का युद्धविराम ही दुनिया को युद्ध के घातक परिणामों से बचा सकता है। बहरहाल, संयुक्त राष्ट्र महासभा में जॉर्डन द्वारा रखे गये युद्धविराम के प्रस्ताव से भारत के अनुपस्थित रहने ने कई सवालों को जन्म दिया है। इसमें दो राय नहीं कि दुनिया के लिये किसी भी तरह का आतंकवाद घातक ही होता है। आतंकवाद की कोई सीमा, राष्ट्रीयता व धर्म नहीं होता। जाहिरा तौर पर आतंकवाद को समर्थन देने वाले किसी भी देश का विरोध होना भी चाहिए। भारत ने दशकों तक आतंकवाद का दंश झेला है। अब चाहे पंजाब हो, कश्मीर हो या पूर्वोत्तर। मुंबई के भीषण आतंकी हमले से लेकर संसद पर हमले की टीस भारत ने महसूस की है। लेकिन गाजा में नागरिकों की जीवन रक्षा भी होनी चाहिए। उनके मानवीय अधिकारों की रक्षा हो तथा लाखों लोगों तक मानवीय मदद पहुंचना सुनिश्चित किया जाना चाहिए। दशकों से फलस्तीन के प्रति भारत का रवैया उदार व मानवतावादी रहा है। ऐसे वक्त में जब फलस्तीनी लोग एक बड़े संकट को झेल रहे हैं तो हमें अपने दायित्वों का भी निर्वहन करना चाहिए। भारत दुनिया का ऐसा देश रहा है जिसने सदैव युद्ध का विरोध किया है। यहां तक कि भारतीय जीवन की मूल अवधारणा वसुधैव कुटुंबकमŸ की रही है। इतना ही नहीं, हमारा सारा स्वतंत्रता आंदोलन अहिंसक ढंग से चला और हमने फिर भी आजादी सम्मान के साथ पायी। लेकिन फिलहाल दिल्ली से ऊहापोह के बयान आते रहे हैं। कभी इस्राइल के स्ट्राइक का समर्थन किया जाता है तो कभी फलस्तीन की मदद का वादा किया जाता है। इस्राइल की कार्रवाई पर भारत सरकार की नीति की जब कांग्रेस व अन्य राजनीति दलों द्वारा तीखी आलोचना हुई तो फिर सरकार के बयानों में बदलाव आया। निस्संदेह, यह नीति दशकों से भारत द्वारा फलस्तीन को दिये सहयोग को निष्प्रभावी बनाती है। सही मायनों में आज भी दुनिया में भारत की परंपरागत अहिंसावादी नीति का संदेश ही जाना चाहिए। जिसका आधार सिर्फ और सिर्फ मानवता ही होता है। इसमें दो राय नहीं कि हमास के आतंकी मंसूबों का पुरजोर विरोध होना ही चाहिए, लेकिन फलस्तीन के आम लोगों की जीवन रक्षा की पुरजोर वकालत भी होनी चाहिए।

आज का राशिफल

मेष :– सुंदर भावनात्मक अभिव्यक्ति से निकट संबंधों में अच्छी छबि बनेगी। नैतिक जिम्मेदारियों में आपकी सजगता काबिले तारीफ होगी। जीवन साथी के साथ मधुरता कायम रखें।

बृषभ :– काफी सारे अवरोधित कार्य के हल होने के आसार बनेंगे। कार्यक्षेत्र में अपनी बौद्धिक क्षमता का लाभ उठाएंगे। किसी महत्वपूर्ण क्षेत्र में सगे–संबंधों का लाभ प्राप्त होगा।

मिथुन :– जीविका क्षेत्र में कार्यकुशलता का जौहर बिखेरेंगे। शिक्षा–प्रतियोगिता में समुचित परिश्रम के लिए मन केंद्रित होगा। महत्वहपूर्ण क्षेत्रों में उच्चस्तरीय लोगों का सहयोग मिलेगा।

कर्क :– महत्वपूर्ण कार्य के प्रति आलस्य न करें। शिक्षा–प्रतियोगिता में समुचित परिश्रम के लिए मन चिंतित होगा। परिजनों से भावनात्मक स्नेह प्राप्त होगा। आवेश में किये गये कार्य से हानि संभव।

सिंह :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में कुछ कठिनाई का अभास होगा। किसी नये कार्य की सार्थकता हेतु मन प्रयत्नशील होगा। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सचेत रहें।

कन्या :– कुछ कठिनाइयों से मन नकारात्मकता से पभावित होगा। किसी महत्वपूर्ण कार्य की तैयारी में समुचित साधन–व्यवस्था के लिए मन चिंतित होगा। रोजगार में लाभकारी स्थिति रहेगी।

तुला :– कार्यकुशलता व बौद्धिक क्षमता से जीविका क्षेत्र सफलता अर्जित करेंगे। राजनीति से जुड़े लोगों की ब्यस्तता व क्रियाशीलता बढ़ेगी। किसी नये रिश्ते में प्रगाढ़ता बढ़ेगी।

वृश्चिक :– किसी महत्वपूर्ण कार्य में धनाभाव अवरोधक होगा किंतु प्रियजनों के सहयोग से समस्याएं हल होंगी। अच्छी आशाएं आप में क्रियाशीलता बढ़ाएंगी।

धनु :– निराशा त्याग मन को आशावादी विचारों से सिंचित करें। कायरे के अत्याधिक बोझ से मन परेशान होगा। पुरानी समस्याओं को हल कर सुख की अनुभूति करेंगे। जीवन साथी के स्वास्य के प्रति सतर्क रहें।

मकर :– भावनाओं से उद्वेलित मन से गलतियां स्वभाविक हैं। किसी नये कार्य के प्रति मन केंद्रित होगा। निकट संबंधों में किसी की कटु वाणी मन को दुखित करेगी।

कुंभ :– कुछ नई जिम्मेदारियां मन पर दबाव बनाएंगी। अच्छी व्यवहार कुशलता से समाजिक मान–मर्यादा में वृद्धि होगी। शासन–सत्ता से जुड़े लोगों को लाभ के अवसर प्राप्त होंगे।

मीन :– जीवन की कठिनाइयों के कारण मन में हीन भावना न आने दें। अपनी क्षमताओ पर भरोसा रखें। पूर्वाग्रहवश मन में संबंधों के प्रति नकारात्मक को न पालें।

प्याज के दामों को लेकर चिन्ता

आदित्य नारायण

भारत की कृषि व्यवस्था की कथा इसलिए निराली है क्योंकि इस देश की विशालता को देखते हुए किसी भी मौसम में किसी शाक–सब्जी की कमी हो जाती है और कभी इनकी बहुतायत हो जाती है। आजकल देश में प्याज की बढ़ती कीमतों को लेकर जो चिन्ता व्यक्त की जा रही है उसका कारण एक ही है कि इसकी कच्ची फसल के भंडारण को लेकर पर्याप्त आधारभूत ढांचा इसलिए नहीं है क्योंकि अपेक्षाकृत सस्ते उत्पाद समझे जाने वाले प्याज के रखरखाव पर जो खर्चा आता है उसकी भरपाई बाजार मूल्यों को देखते हुए मुश्किल हो जाती है। प्याज गरीब– गुरबे और सामान्य वर्ग के लोगों की खाद्य सामग्री के साथ ही सम्पन्न वर्ग के लोगों की थाली की भी शोभा बढ़ाती है। वैसे भारत में इसका उत्पादन कम नहीं होता है। वर्ष 2023 में इसका उत्पादन 310 लाख मीट्रिक टन होने का अन्दाजा लगाया गया है जबकि पूरे भारत में इसकी खपत प्रतिमाह 14 लाख मीट्रिक टन के लगभग रहती है। कर्नाटक, महाराष्ट्र, गुजरात व मध्य प्रदेश में सर्वाधिक प्याज का उत्पादन होता है और वैश्विक स्तर पर देखें तो भारत दुनिया का सबसे बड़ा प्याज उत्पादक देश

है। इस हिसाब से भारत में खपत से ज्यादा ही प्याज का उत्पादन होता है मगर इसकी खेती दो ही कृषि मौसमों रबी व खरीफ में होती है। इनमें से यदि एक फसल भी प्रकृति जन्य कारण से खराब हो जाये तो प्याज की कीमतें उछाल मारने लगती हैं। इसके साथ ही प्याज के निर्यात में भी भारत अव्वल देशों में से एक है। अतः इसका निर्यात भी जम कर होता है। मगर जब घरेलू बाजार में इसके दाम उछाले मारने लगते हैं तो सरकार निर्यात पर प्रतिबन्ध लगाने का काम भी करती है। जैसे कि फिलहाल केन्द्र ने प्याज के निर्यात को हतोत्साहित करने के लिए इस पर 67 रु. प्रति किलों का निर्यात शुल्क लगा दिया है जिससे कम से कम प्याज देश के बाहर जाये। मगर सरकार के इन कदमों से प्याज उत्पादक किसान नाराज भी हो जाते हैं क्योंकि विदेशी बाजार में उनके उत्पाद के अच्छे दाम मिलने की वजह से उन्हें अपेक्षाकृत अधिक लाभ मिलता है। परन्तु लोकतन्त्र में सरकार का यह पहला फर्ज होता है कि वह अपने देश की आबादी का पेट भरने के लिए पहले इन्तजाम करे। भारत की आबादी 140 करोड़ के आसपास पहुंच रही है जिसे देखते हुए इसकी खाद्यान्न आवश्यकताएं भी बढ़ रही हैं। कृषि उत्पादों के विपणन में निजी बाजार ही प्रमुख भूमिका निभाता है जिसका समीकरण आपूर्ति और सप्लाई पर निर्भर करता है। आजकल बाजार में प्याज की आवक कम होने का एक कारण यह माना जा रहा है कि विदेशों में इसकी मांग बढ़ी हुई है जिसकी वजह से निर्यात में वृद्धि हो रही थी। इसे देखते हुए सरकार ने स्वयं भी तीन लाख टन प्याज खरीदने का फैसला किया है। परन्तु इतनी खरीद से पूरे देश में दामों को संभाले रखना संभव होता नहीं दिखता। प्याज की फसल मई तक साल में दो बार होती है। रबी की फसल के भरोसे अभी तक की सप्लाई हो रही है जबकि अक्टूबर महीने में नई फसल बो दी गई है। इसे देखते हुए हो सकता है कि प्याज के थोक व्यापारियों ने माल का अच्छा भंडारण कर लिया हो और अब वे मुनाफे पर सीमित सप्लाई बाजार में दे रहे हों। बीच में बरसात का मौसम आने की वजह से खुदरा में भंडारण की हुई प्याज खराब भी हो जाती है। जिसे देखते हुए खुले बाजार में इसकी कीमतें अब आसमान छूने की तरफ जाती हुई दिखाई पड़ रही हैं। मगर बहुत समय नहीं हुआ है जबकि टमाटर के भाव भी आसमान छू रहे थे और भारत के छोटे से कस्बे में टमाटर दो सौ रु. किलो से नीचे नहीं बिक रहा था। इसकी वजह बेतरतीब बरसात को भी माना गया जिसकी वजह से स्थानीय टमाटर उत्पादकों की फसलें बर्बाद हो गईं। मगर उस समय भी सरकारी एजेंसियों ने कर्नाटक जैसे राज्यों से टमाटर की भारी खरीद कर बाजार भावों को नियन्त्रित करने का प्रयास किया। अभी नई फसल आने पर इसके भाव सामान्य हो गये हैं। मगर आलू की कीमतों में नई फसल की आवक के साथ ही भारी गिरावट देखी जा रही है और आलू किसान शिकायत कर रहे हैं कि उनकी लागत भी पूरी नहीं पड़ रही है।

उत्तर भारत की सब्जी मंडियां इस समय नये आलू की आवक से पटी पड़ी हैं जिससे सप्लाई भी भरपूर हो रही है। मगर बाजार में आपूर्ति के मुकाबले मांग कम होने पर इसके भाव जमीन पर लुढ़क रहे हैं। कृषि जन्य उत्पादों में मांग व सप्लाई का यह संकट लगातार चलता ही रहता है जिसकी वजह से किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य की मांग करते हैं। यह समर्थन मूल्य कुछ चुनिन्दा उत्पादों पर ही लागू होता खास कर खाद्यान्न अनाज पर। सब्जियों में यह संभव नहीं है। संभावना केवल यह बनती है कि आलू–प्याज जैसी आवश्यक सब्जियों के भावों को स्थिर रखने के लिए सरकार अपनी एजेंसियों के माध्यम से बाजार में हस्तक्षेप करे। कृषि चूंकि राज्यों का विषय है अतः राज्य सरकारों का यह दायित्व बनता है कि वे अपने किसानों की आर्थिक व्यवस्था मजबूत करने के लिए आवश्यक कदम उठायें।

केरल विस्फोटों पर सियासत दुर्भाग्यपूर्ण

केरल के एर्नाकुलम जिले के कलामासेरी में रविवार की सुबह ईसाइयों की एक प्रार्थना सभा में 5 मिनटों के भीतर एक के बाद एक हुए तीन बम विस्फोटों से दो महिलाओं की मौत हो गई है और 50 से ज्यादा घायल हुए हैं। इनमें से कुछ की हालत बहुत गम्भीर बतलाई गई है। इन्हें आईसीयू में रखा गया है। तीन दिवसीय प्रार्थना कार्यक्रम के समापन अवसर पर चर्च के कन्वेंशन सेंटर में करीब दो हजार श्रद्धालु उपस्थित थे जब ये विस्फोट हुए। जिस जगह पर धमाके हुए वह येहोवा विटनेस ईसाई समूह का है। जिसने बम विस्फोटों की जिम्मेदारी लेते हुए त्रिशूर पुलिस के समक्ष आत्मसमर्पण किया है, वह खुद को इसी समुदाय से सम्बद्ध बतलाता है। हालांकि समुदाय ने उससे अपना पल्ला झाड़ लिया है। उस व्यक्ति के अनुसार यह धार्मिक समुदाय लोगों में विद्वेष फैलाता है तथा केरल के लिये हानिकारक है। इससे व्यथित होकर उसने विस्फोट किये। शनिवार को मल्लपुरम में फिलिस्तीन के समर्थन में निकाली गई एक रैली के दूसरे दिन ये विस्फोट हुए, जिसे हमास के एक नेता खालिद मशेल ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये सम्बोधित किया था। इसलिये बम विस्फोटों को लेकर अब सियासी रंग देने की कोशिशें प्रारम्भ हो गई हैं। कांग्रेसी नेता शशि थरूर ने लोगों से शांति की अपील की है वहीं इस विस्फोट को लेकर भारतीय जनता पार्टी के

प्रवक्ता सुधांशु त्रिवेदी ने कांग्रेस पार्टी को ही घेर लिया है। उन्होंने कहा कि श्कांग्रेस बहुत खतरनाक राजनीति कर रही है। उन्होंने तंज कसते हुए यह भी कहा कि श्यही मोहब्बत की दूकान का असर है।श त्रिवेदी का कहना था कियह देश की सुरक्षा, संवेदनशीलता व सामाजिक सौहार्द्र तीनों के लिए खतरनाक है। भाजपा की सरकार आने से पहले भारत का कोई भी ऐसा कोना नहीं था जहां धमाके नहीं हो रहे थे। आज सारी चीजें नियंत्रित हुई हैं लेकिन ये (कांग्रेस व विपक्षी दल) इस कीमत पर भी राजनीति करने को तैयार हैं। उनके अनुसार, मोहब्बत की दुकान की असली तस्वीर यही है। साथ ही केरल के भाजपा नेता व पूर्व केंद्रीय मंत्री अल्फोंस केजे का कहना है कि स्थिति बेहद गंभीर है। मैं लंबे समय से चेतावनी दे रहा हूं कि केरल में दोनों लेफ्ट और राइट आतंकवाद का समर्थन कर रहे हैं। केरल में यह बहुत लंबे समय से हो रहा है। आज केरल आतंकवाद की चपेट में है। इसे रोकना होगा। हालांकि त्रिवेदी यह नहीं बतला सके हैं कि इसका कांग्रेस से क्या सम्बन्ध है।

खुद केरल के मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन ने कहा है कि घटना के संबंध में विवरण एकत्र किये जा रहे हैं। विस्फोटों के बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी विजयन से बात की और राज्य की स्थिति की जानकारी ली। असली बात यह है कि एनआईए और एनएसजी मौके पर पहुंचकर घटना की जांच कर ही रही है तथा उसके बाद भी किसी बात के पुख्ता प्रमाण अभी नहीं है। ऐसे में इसके लिये किसी को दोषी ठहराना अपने आप में गैर जिम्मेदाराना है। इस घटना को लेकर देश के कुछ राज्यों में अलर्ट जारी किया गया है। जाहिर है कि यह बहुत संवेदनशील मुद्दा है। इसे लेकर किसी भी तरह के हल्के या गैर जिम्मेदाराना बयान घातक हो सकते हैं। सभी दलों को चाहिये कि वे न केवल जिम्मेदारी के साथ इस पर बोलें वरन राज्य में शांति और अमन कायम करने की दिशा में भी मिलकर काम करें। सवाल यह है कि भाजपा नेता क्यों कर इस घटना को लेकर इस तरह का बयान दे रहे हैं? इसका जवाब मौजूदा राजनीतिक परिस्थितियों को देखने पर मिल सकता है। यह विस्फोट ऐसे वक्त पर हुआ है जब देश के 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव होने जा रहे हैं और उन सभी में भाजपा की हालत पतली है। कम से कम तीन राज्यों– राजस्थान, मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में उसका मुकाबला कांग्रेस से है तो वहीं तेलंगाना में उसे पीछे हटाकर सत्तारुढ़ भारत राष्ट्रीय समिति से मुख्य मुकाबले में कांग्रेस ही आ गई है। रहा मिजोरम, तो वहां भी भाजपा की स्थिति सबसे फिसड्डी है। कांग्रेस अपने चुनावी अभियानों में जमीनी मुद्दों को लेकर सामने आई है। उसका फोकस न्याय योजनाओं तथा सशक्तिकरण पर है तो वहीं भाजपा के पास विकास सम्बन्धी कोई मुद्दे नहीं हैं जिसे लेकर वह जनता के सामने जाये। अब भी वह कांग्रेस तथा प्रतिपक्षी दलों पर भ्रष्टाचार के नाम पर केन्द्रीय जांच एजेंसियों के छापे डलवाकर चुनाव जीतना चाहती है। इसके अलावा वह सामाजिक ध्रुवीकरण के ही सहारे टिकी हुई है। चुनावी राज्यों में उसका एजेंडा साम्प्रदायिकता फैलाकर बहुसंख्यक वोटों को अपनी झोली में डालना है। हालांकि जिस प्रकार से इन सभी राज्यों में कांग्रेस की आंधी चल रही है, उससे भाजपा के मुद्दों को जनता की ओर से कोई तवज्जो नहीं मिल रही है। केरल हमेशा से ही भाजपा की आंखों की किरकिरी बना हुआ है क्योंकि वहां वाम लोकतांत्रिक मोर्चा की सरकार है। 2019 के लोकसभा चुनाव में किसी भी भाजपायी उम्मीदवार को सफलता नहीं मिली थी। इस बार लोकसभा चुनावों के लिये जो संयुक्त विपक्ष बना है उसमें भी मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी व कांग्रेस सहयोगी हैं जिसके कारण भाजपा की इस सर्वाधिक शिक्षित राज्य में पांव जमाने की कोई कोशिश सफल नहीं हो रही है। इसलिये इस बम विस्फोट को सियासी तौर पर भुनाने का कोई मौका भाजपा छोड़ना नहीं चाहती– चाहे ऐसा करना देश के लिये कितना भी खतरनाक क्यों न हो।

अकर्मण्यता की निराशा से जन्मा पलायनबाद, जीवन की प्रगतिशीलता का बड़ा अवरोध

संजीव ठाकुर

यह बात चाहे मनुष्य के जीवन की हो यह राष्ट्र के उत्थान से संदर्भित हो, जीवन में मनुष्य के संदर्भ में अकर्मण्यता एक बड़ी शारीरिक,मानसिक व्याधि और दशा है, यह जीवन को निरर्थक बनाती है। इसी तरह देश का शासन तंत्र यदि आक्रमण्य और निराशावादी हो तो देश की उन्नति में अवरोध और बढ़ाएं सदैव उत्पन्न होती रहती हैं। इस अवस्था को तत्काल त्यागना चाहिए,और अपने जीवन के संघर्ष के लिए तैयार रखना चाहिए। मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत और सफलता के उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति एवं उर्जा लगाकर हम उसे प्राप्त कर सकेस कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता हैस निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अतः निराशा, हताशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़े, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता हैस जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो निसंदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता हैस बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं।यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताओं और आकांक्षाएं होती हैंस सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ साथ सामाजिकता , प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैंस मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा सफलता उस उसके मूल्यों,सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए स यदि व्यक्ति की आकांक्षा,सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती हैस जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत, लगन, प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओतप्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय अविष्कार को मूर्त रूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है, यही वजह है की सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे माननीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है, मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिएसइसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य ,करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती हैस और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती हैस भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही हैसऋषि–मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति, मृतक लाश की तरह हो जाता है। भारतीय संस्कृति में आदर्शों तथा मूल्य के पोषक उदाहरणों की अंतहीन सूची है जिनमें कबीर, रैदास, संत,ज्ञानेश्वर तुकाराम,मोइनुद्दीन चिश्ती, निजामुद्दीन औलिया, रहीम,खुसरो, गांधी,नेहरू, टैगोर, सुभाष, विवेकानंद जैसे महान लोग सिद्धांतों की प्रतिबद्धता को अपने जीवन की सफलता मानकर अपने जीवन को समाज को सौंप दिया था।परिणाम स्वरूप व्यक्ति को महज सफलता का पुजारी ना बन कर मूल्यों के प्रति प्रतिबंध होने का प्रयास करना चाहिए। ताकि तनिक सफलता के स्थान पर चिरस्थाई एवं समाज उपयोगी सफलता प्राप्त हो सके। वर्तमान में यह स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है कि व्यक्ति स्वाद तथा सफलता के लिए अक्सर अपने मूल्यों को तिलांजलि दे देता है। वर्तमान सुख एवं लालच चिरस्थाई सफलता के सामने महत्वपूर्ण एवं प्राथमिक हो जाता है ।आज मनुष्य तत्काल एवं अस्थाई सफलता के पीछे माननीय मूल्यों प्रतिबद्धताओं को किनारे कर उस मरीचिका की तरफ दौड़ रहा है जो अत्यंत अस्थाई एवं पानी के बुलबुले की तरह है। और इससे न तो कोई इतिहास बनता है और ना ही कोई प्रतिमान ही स्थापित होता है। पानी का पतला रेला नदी का रूप नहीं ले सकता। उसी तरह बिना मूल्यों की सफलता स्थाई नहीं होती है। राजनीति तथा प्रशासन में मूल्यों सिद्धांतों की तो ज्यादा आवश्यकता महसूस की जाती है। क्योंकि राष्ट्र तथा नीति निर्देशक तत्वों को संचालन की दिशा देने के लिए मानवीय संवेदना, मूल्य और सिद्धांतों की अत्यंत आवश्यकता होती है। अन्यथा समाज दिग्भ्रमित होकर बिखरने के कगार पर पहुंच जाता है। राष्ट्र विखंडित होने की स्थिति में आ जाता है। मूल्य विहीन समाज अपने अधिकारों के दुरुपयोग तथा कर्तव्य के प्रति लापरवाही तथा उदासीनता के चलते समाज को सोचनीय स्तर पर लाकर खड़ा कर देता है। सफलता तब ही शाश्वत तथा स्थाई हो सकती है।

स्वर्णिम इबारत लिखता भारत

सितम्बर २३ से ८ अक्टूबर तक आयोजित हुए हांगझोऊ एशियाई खेलों में भारतीय खिलाडिघ्यों ने शानदार प्रदर्शन के साथ १०७ पदक जीतकर तमाम देशवासियों का सीना गर्व से चौड़ा कर दिया था। हमारे पैरा एथलीटों ने भी हांगझोऊ पैरा एशियाई खेलों में २६ स्वर्णॉ ३१ रजत और ५१ कांस्य के साथ कुल १११ पदक जीत कर ऐसा इतिहास रच दिया हैंॉ जो किसी भी ऐसी प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिता में बहुत बड़ी उपलब्धि है। २२दृ२८ अक्टूबर तक चले पैरा एशियाई खेलों में ४३ देशों के करीब ४ हजार एथलीटों ने भाग लिया थाॉ जिनमें भारत के ३१३ खिलाडिघ्यों का दल भी शामिल था। ध् पदकों की संख्या के लिहाज से देखें तो २०१० के दिल्ली राष्ट्रमंडल खेलों में १०१ पदक हासिल कर भारत ने पहली बार १०० का आंकड़ा पार किया था और इस वर्ष एशियाई खेलों के दोनों ही संस्करणों में हमारे खिलाडिघ्यों ने पदकों का शतक पार करते हुए खेलों की दुनिया में ऐसी स्वद्दणम इबारत लिख डाली हैंॉ जिससे साबित हो गया है कि भारत अब खेल महाशक्ति बनने की ओर बढ़ रहा है। भारत के लिए विशेष बात यह भी कि पुरुष खिलाडियों के साथदृसाथ महिला खिलाड़ी भी मैदान में दमदृखम दिखाते हुए पदक बटोर रही हैं। एशियाई खेलों में १०७ और पैरा एशियाई खेलों में १११ पदकों की सुनहरी चमक के साथ भारतीय खिलाडिघ्यों द्वारा रचा गया इतिहास निश्चित रूप से भविष्य की अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतिस्पर्धाओं के लिए शुभ संकेत हैं। माना जा रहा है कि भारतीय खिलाडिघ्यों की इन स्वद्दणम उपलब्धियों ने अगले साल खांस में होने वाले ओलंपिक खेलों में भारत के लिए उम्मीदों के नये द्वार खोल दिए हैं। भारतीय पैरालंपिक समिति की अध्यक्ष दीपा मलिक ने तो एशियाई पैरा खेलों में भारत के शानदार प्रदर्शन के बाद कहा भी है कि हम पेरिस पैरालंपिक में भी टोक्यो से ज्यादा पदक जीतेंगेध। यह गर्व की बात है कि ओलंपिक हों या राष्ट्रमंडल अथवा एशियाई खेल या अन्य अंतरराष्ट्रीय खेल स्पर्धाएँॉ हर कहीं हमारे खिलाड़ी अपना जलवा दिखा रहे हैं। वे अब ऐसेदृऐसे खेलों में भी अद्भुत प्रदर्शन कर रहे हैंॉ जहां कभी हमारे खिलाड़ी टिक तक नहीं पाते थे। बैडमिंटन अथवा हॉकी हो या कुश्ती अथवा भारोत्तोलनॉ कबड्डी हो या भाला फेंकॉ लंबी दौड़ हो या तलवारबाजी या तीरंदाजीॉ निशानेबाजी हो या टेबल टेनिसॉ सभी स्पर्धाओं में खिलाड़ी सफलता के झंडे गाड़ रहे हैं। एशियाई खेलों ने तो बखूबी प्रमाणित भी कर दिया है कि हमारे यहां खेल प्रतिभाओं की कमी नहीं हैंॉ जरूरत है उन्हें प्रेरणाॉ प्रोत्साहन और प्रशिक्षण देकर उनकी प्रतिभा निखारने के उचित प्रयासों की। खिलाडिघ्यों को पर्याप्त अवसर और सुविधाएं मिलें तो वे तमाम खेलों में विश्व भर में धाक जमाते हुए भारत को खेल महाशक्ति बनाने का सामर्थ्य रखते हैं। विभिन्न स्पर्धाओं में भारत का विश्व चौंपियन बननाॉ अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में भारतीय पुरुषदृमहिला खिलाडिघ्यों द्वारा शानदार प्रदर्शन करते हुए निरंतर रिकॉर्ड बनानाॉ ओलंपिक खेलों में प्रदर्शन में सुधारॉ एशियाई चौंपियनशिप तथा राष्ट्रमंडल खेलों में भारतीय खिलाडिघ्यों का परचम लहरानाॉ खेलों की दुनिया में भारत के बढ़ते दबदबे का संकेत है। रसातल में जाती हॉकी के मामले में भी भारत की तस्वीर धीरेदृधीरे सुधर रही है। एशियाई और पैरा एशियाई खेलों में भारतीय खिलाडिघ्यों ने जिस जोशॉ हौसले और जुनून के साथ क्रमशः १०७ और १११ पदक जीत कर खेलों की दुनिया में नया इतिहास रचा हैंॉ उस जोश और जुनून को भविष्य में भी बरकरार रखने की जरूरत है।

केवट राम संवाद देख दर्शन हुए भाव विभोर

मोहरियाँव में चल रहे रामलीला में सीता हरण का मंचन किया गया

विशेष संवाददाता जय प्रकाश तिवारी

सुजानगंज, जौनपुर। क्षेत्र के मोहरियाव गांव में चल रहे आदर्श रामलीला धर्म मंडल समिति के तत्वावधान में मंगलवार की रात्रि में राम केवट संवाद,सीता हरण का मंचन हुआ। रामलीला का शुभारंभ राम लक्ष्मण सीता हनुमान जी की आरती उतार कर किया। श्री राम के आदर्शों को हर व्यक्ति को अपने अंदर समाहित करना चाहिए और सदैव सत्य के मार्ग पर चलना चाहिए। रामलीला मंचन में राम केवट संवाद में मांगी नाव केवट आना कहहु तुम्हार मरम हम जाना। संवाद सुनकर पंडाल में श्रोता भावुक हो उठे। केवट प्रभु राम को पहचान जाता है और नदी पार कराने से मना कर देता है। प्रभु राम कारण पूंछते है तो केवट कहता है कि आपको बैठाने से मेरी नौका औरत बन जाएगी तो मैं क्या करूँगा प्रभु। इसलिए आपके पांव पखारने के बाद ही नौका पार बैठा सकता हूँ। फिर प्रभु राम की सहमति से वह उनके पांव को धोकर नौका में बैठाकर नदी को पार कराया। यह मंचन देख दर्शक भाव विभोर हो गए। दर्शकों ने जय श्री राम के नारे लगाए जिससे पूरा पंडाल भक्तिमय हो गया। दूसरे दृश्य में रावण द्वारा सीता का हरण का मंचन और माता सीता को बचाने के लिए जटायु और रावण का युद्ध का मंचन हुआ। वहीं पर व्यास जय प्रकाश मिश्र कुल्लू ने गीतों के माध्यम से लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रामलीला का संचालन महामंत्री भाष्कर मणि तिवारी ने किया। वहीं पर राम का रोल सिंटू मिश्रा, लक्ष्मण ईश्वर दुबे, सीता कार्तिकेय विश्वकर्मा, केवट ओमप्रकाश तिवारी बबलू ने किया. इस अवसर पर अरविंद तिवारी , अभिषेक मिश्रा, पप्पू पांडे,अफरोज, रविन्द्र दुबे ,सूर्यमणि दुबे,सोनू तिवारी, कमलेश दुबे, साजन तिवारी, बड़े चौबे, बबऊ राम यादव, विश्वभर नाथ दुबे, सोनू विश्वकर्मा मिंटू पांडे आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय एकता दिवस व स्वच्छता पखवाड़ा समापन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जन शिक्षण संस्थान जौनपुर के मुख्यालय पर आज दिनांक 31 अक्टूबर 2023 को राष्ट्रीय एकता दिवस व् स्वच्छता पखवाड़ा समापन के अवसर पर प्रतिभागियों द्वारा दौड़ कराने के पश्चात राष्ट्रीय एकता दिवस पर सपथ दिलाया गया। तत्पश्चात मुख्यालय पर एक संगोष्टी का आयोजन किया गया। संगोष्टी के मुख्य अतिथि व्यापार कर के अधिकारी रीना पाण्डेय एवं सह अधिकारी खुशबू गुप्ता जी रही। अध्यक्षता संस्थान की निदेशक डॉ सुधा सिंह ने किया।

मुख्य अतिथि ने अपने सम्बोधन मे कहा कि आज सरदार बल्लम भाई पटेल जी के जन्मदिवस को एकता दिवस के रूप मे मनाया जाना हमारे देश के लिए गौरव की बात हैं हमारा देश एक रहेगा तभी हम और देशों को आगे बढ़ा पाएंगे।

विशिष्ठ अतिथि के रूप मे खुशबू गुप्ता ने अपने सम्बोधन मे कहा कि एकता से परिवार को गाव को और हमारे देश को एक मजबूती मिलती हैं हम लोग एक रह कर ही अपने देश के उन्नति मे सहयोग कर सकते हैं।

एक महीने का स्वक्षता पखवाड़ा चलाया जाना और आज एकता दिवस पर समापन करना बहुत ही सराहनीय कार्य हैं हम लोग स्वच्छता के प्रति जागरूक रहेंगे तो हमारा देश निश्चित ही स्वच्छ रहेगा।

अध्यक्षता कर रही संस्थान की निदेशक डॉ सुधा सिंह ने संस्थान की गतिविधियों पर प्रकाश डालते हुए एकता दिवस और स्वच्छता पखवाड़ा के समापन पर उपस्थित लोगों का आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यक्रम अधिकारी अवधेश श्रीवास्तव ने किया, कार्यक्रम में कार्यक्रम अधिकारी रजनीश प्रताप सिंह, सहायक कार्यक्रम अधिकारी विनोद मिश्रा, लेखाकार जितेंद्र विश्वकर्मा, प्रशिक्षिका साधना श्रीवास्तव, प्रतिमा मौर्या, वंशिता देवी, विक्की एवं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे प्रतिभागी उपस्थित रहे।

देश की एकता व अखंडता में सरदार पटेल का अहम योगदान- धनंजय सिंह

1-जन एकता यात्रा में उमड़ा जनसैलाब, गूंजे देशभक्ति के तराने

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। भारत रत्न लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल के जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस पर मंगलवार को जनता दल यूनाइटेड के राष्ट्रीय महासचिव पूर्व सांसद धनंजय सिंह के नेतृत्व में निकाली गई जन एकता यात्रा में जनसैलाब उमड़ पड़ा। भारत माता की जय व सरदार बल्लभ भाई पटेल अमर रहे के जयकारे से पूरा शहर गुंजायमान हो गया। मोहम्मद हसन कालेज के मैदान में बने मंच पर पूर्व सांसद धनंजय सिंह ने भारत रत्न सरदार बल्लभ भाई पटेल के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रगान के बाद देशभक्ति तारानो के साथ हजारो लोग भारत माता की जय.. सरदार बल्लभ भाई पटेल अमर रहे के नारों के साथ हाथ में तिंरगा लहराते निकले तो ऐसा लगा कि मानो हर किसी के दिल में देशभक्ति का समंदर हिलोरें मार रहा हो। लौह पुरुष के सम्मान में निकाली गई जन एकता यात्रा में युवाओं का जोश व जज्बा देखते ही बनता था। कोतवाली चौराहा, चहारसू चौराहा, ओलंदगंज में ब्यापारियो ने यात्रा पर पुष्पवर्षा कर पूर्व सांसद का माल्यार्पण किया। लगभग साढ़े तीन घंटे बाद यात्रा कलेक्ट्रेट परिसर में पहुंची। पूर्व सांसद ने विकास भवन परिसर में स्थापित लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल की मूर्ति पर माल्यार्पण किया। अपने सम्बोधन में उन्होंने कहा कि अनेकता में एकता की यह देन लौह पुरुष सरदार पटेल जी की है। उनके जीवनी से आज के युवाओ को सीख लेनी चाहिए। देश की एकता व अखंडता के लिए लौह पुरुष ने जो अमूल्य योगदान दिया है उसे भुलाया नही जा सकता। उन्होंने जिस तरह से सारी रियासतो को एक करवाने का कार्य किया आज की आधुनिक भारत उन्ही की देन है। पूर्व सांसद ने कहा कि यह कोई राजनैतिक कार्यक्रम नही है।

पहली नवंबर से गंभीर घायलों को ट्रॉमा सेंटर में मिलने लगेगा इलाज

सुल्तानपुर। सड़क हादसों में गंभीर रूप से घायल होने वालों या अन्य गंभीर रोगियों को पहली नवंबर से जिले में ट्रॉमा सेंटर की सेवाएं मिलना शुरू हो जाएंगी। हालांकि इसके लिए मेडिकल कॉलेज प्रशासन के पास डॉक्टरों की बेहद कमी है। बावजूद इसके अब कॉलेज प्रशासन हर हाल में ट्रॉमा सेवाएं देने की तैयारी में जुटा है। 'अमहट स्थित ट्रॉमा सेंटर' बने तो लंबा अरसा हो गया लेकिन यहां पर अभी तक केवल ओपीडी ही चल पा रही है क्योंकि शासन के निर्देश के अनुसार ट्रॉमा सेंटर के संचालन के लिए कम से कम बेहोशी के दो डॉक्टर, दो सर्जन, हड्डी के दो डॉक्टर और तीन ईएमओ होने चाहिए। फिलहाल ट्रॉमा सेंटर में एक सर्जन, बेहोशी के एक डॉक्टर, हड्डी के एक डॉक्टर और दो ही ईएमओ तैनात हैं। ऐसे में यहां पर 24 घंटे तक ट्रॉमा सेवाएं दे पाना बेहद कठिन काम है लेकिन मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य का मानना है कि सेवाएं जब एक बार आरंभ हो जाएंगी तो धीरे–धीरे तैनाती भी हो जाएगी। इसीलिए उन्होंने ट्रायल के तौर पर एक ऑपरेशन यहां करवा भी लिया है और पर्याप्त पैरामेडिकल स्टाफ की तैनाती भी कर दी है। यही नहीं सोमवार को उन्होंने ट्रॉमा सेंटर आरंभ करने के लिए अंतिम तैयारी बैठक भी बुलाई है। प्राचार्य डॉ. सलिल श्रीवास्तव ने बताया कि पहली नवंबर से ट्रॉमा सेंटर प्रारंभ कर दिया जाएगा। सोमवार को जो खामियां पाई जाएंगी, वह भी जल्द ही दूर कर ली जाएंगी।

नोडल अधिकारी कार्यक्रम स्थल पर रहकर सभी कार्यो को ससमय पूरा करायें-जिलाधिकारी

जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करें-एमपी सिंह

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'हरदोई–' आगामी 02 नवम्बर 2023 को तहसील शाहाबाद के ग्राम ऊधरनपुर में मिशन शक्ति के अन्तर्गत मा0 मुख्यमंत्री जी के आयोजित होने वाले विशाल कार्यक्रम को सफल बनाने हेतु बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आहूत जिलास्तरीय अधिकारियों की बैठक की अध्यक्षता करते हुए जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने कहा कि जिन अधिकारियों को लाइट, साउड, पण्डाल, विद्युत, अतिथियों की व्यवस्था आदि की जिम्मेदारी के लिए नोडल बनाया गया है वह कार्यक्रम स्थल पर उपस्थित रहकर सभी कार्यो को ससमय पूरा करायें।

जिलाधिकारी ने कहा कि जिन अधिकारियों को अपने विभाग की योजनाओं के लाभार्थियों को लाना है वह पण्डाल में ब्लाकवार उनकी सुव्यवस्थित बैठने की व्यवस्थायें करायें और कल समय से लाभार्थियों को कार्यक्रम स्थल पर लाना सुनिश्चित करें और जिन विभागों को प्रर्दशनी में स्टाल लगाना है वह अपने विभाग के स्टाल लगाने एवं सजाने आदि की व्यवस्था आज शाम तक कर लें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग के अधिकारी अपना एवं कार्यक्रम स्थल पर लगाये जाने वाले कर्मचारियों के प्रवेश पास अवश्य बनवा लें। तथा 02 नवम्बर 2023 प्रातः 07 बजे कार्यक्रम स्थल पर पहुंच जाएं और अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करते हुए कार्यक्रम की सफलता सुनिश्चित करें।

छावनी परिषद लखनऊ द्वारा राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में रन फॉर यूनिटी आयोजित किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। छावनी परिषद लखनऊ द्वारा 31 अक्टूबर 2023 को सरदार वल्लभभाई पटेल जी की स्मृति में एवं राष्ट्रीय एकता दिवस के उपलक्ष्य में रन फॉर यूनिटी आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम भारत की एकता के पीछे दूरदर्शी लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की जयंती मनाने के लिए समर्पित रहा। यह दौड़ सुबह 8:00 बजे से कस्तूरबा रोड पर स्थित विजय पार्क से प्रारंभ होकर कस्तूरबा पार्क में समाप्त हुई। इसमें युवा महिला, वरिष्ठ नागरिक, दिव्यांग एवं 12 से 18 आयु के बच्चों समेत लगभग 1200 लोगों ने प्रतिभाग किया।

श्रेणीवार विजेताओं के नाम :–

सामान्य श्रेणी – पुरुष वर्ग में प्रद्युम्न यादव एवं महिला वर्ग में रिंकी कुमारी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि प्रियंका एवं निरंकुश को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। इस श्रेणी में रेनु एवं विशाल तृतीय स्थान पर रहे। वरिष्ठ नागरिकों की श्रेणी – पुरुष वर्ग में सतेंद्र एवं महिला वर्ग में वंदना ने प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि अपाला एवं केडी तिवारी दूसरे स्थान पर रहे। इस श्रेणी में मोना एवं अजय कुमार को तृतीय स्थान के लिए सम्मानित किया गया।

दिव्यांग बच्चों में आलोक, समी एवं मोसिम को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान के लिए सम्मानित किया गया। 12 से 18 वर्ष की आयु श्रेणी में बालिका वर्ग में श्रेया एवं बालक वर्ग में सिद्धांत को प्रथम जबकि अविका एवं हर्ष को द्वितीय स्थान प्राप्त करने के लिए सम्मानित किया गया। इसी वर्ग में मानसी एवं सक्षम ने तृतीय स्थान प्राप्त किए।

मुख्य अतिथि भावना सिंह, प्रधान निदेशक, रक्षा संपदा, मध्य कमान, रही। प्रधान निदेशक रक्षा संपदा मध्य कमान भावना सिंह ने सरदार वल्लभ भाई पटेल जी को श्रद्धांजलि अर्पित की और दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया और रन फॉर यूनिटी को हरी झंडी दिखाई।

कार्यक्रम के समापन में उन्होंने विजेताओ को पुरस्कृत करके हौंसला अफजाई किया।

इसके अतिरिक्त कार्यक्रम के दौरान रक्षा संपदा, मध्य कमान के निदेशक एन वी सत्यनारायण,डी एन यादव, मुख्य अधिशासी अधिकारी, छावनी परिषद लखनऊ प्रोमिला जायसवाल, उपनिदेशक अजय कुमार एवं उमेश पारीक, आर० पी० सिंह, उप मुख्य अधिशासी अधिकारी, छावनी परिषद लखनऊ एवं रक्षा सम्पदा कार्यालय लखनऊ के समस्त स्टाफ भी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम को सफल बनाने में शेखर हॉस्पिटल, इंदिरा नगर, तथा विनायक हॉस्पिटल, बिजनौर ने विशेष मेडिकल कैंप लगाकर एवं स्टाफ नियुक्त कर चिकित्सीय सहयोग प्रदान किया।

एसडीएम ने निर्माणाधीन बारात घर को ध्वस्त करने का दिया आदेश

सुलतानपुर– मानक विहीन हो रहे निर्माण कार्य को संज्ञान में लेकर डीएम के आदेश पर एसडीएम लंभुआ मौके पर पहुंचे। मानक विहीन निर्माण कार्य पाए जाने पर एसडीएम ने तत्काल कार्यदायी संस्था को अभी तक हुए निर्माण को ध्वस्त करने तथा फिर से निर्माण कार्य करने के लिए आदेशित किया।लंभुआ नगर पंचायत के विवेक नगर वार्ड में करोड़ों की लागत से कल्याण मंडपम बारात घर का निर्माण कराया जा रहा है। कार्यकारी संस्था सीएनडीएस बारात घर के निर्माण का कार्य करवा रही है, जिसके लिए पैसा भी खारिज हो गया है। कार्यदायी संस्था ने मंडपम की नींव भी भरवा दी।नगर पंचायत वासी जब निर्माण कार्य में घटिया सामग्री के प्रयोग करने का आरोप लगाते हुए नगर पंचायत अध्यक्ष एवं उच्च अधिकारियों से शिकायत की तो सोमवार को नगर पंचायत अध्यक्ष अवनीश कुमार सिंह उर्फ अंगद तथा ब्लॉक प्रमुख डॉ कुंवर बहादुर सिंह ने निरीक्षण किया और निरीक्षण में पाया कि निर्माण कार्य में घटिया सामग्री का प्रयोग हो रहा है।उन्होंने तत्काल कार्य को रुकवा दिया था और सारे मामले को डीएम से अवगत करवाया।डीएम कृतिका ज्योत्स्ना के हस्तक्षेप पर एसडीएम दीपक वर्मा निर्माण स्थल पर पहुंच गए और निर्माण कार्य की जांच की।निरीक्षण के बाद एसडीएम ने कहा कि अभी तक मंडपम का जो भी कार्य हुआ है वह घटिया सामग्री से हुआ है। कार्य को तत्काल रुकवा दिया गया है और जेई को तत्काल अभी तक हुए निर्माण को ध्वस्त करवाने तथा पुनः मानक के अनुरूप निर्माण कार्य करवाने का आदेश दिया गया है।

राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा लुलु मॉल मे लगायी गयी चित्र प्रदर्शनी का हुआ शुभारंभ

एकता दिवस के मौके पर मॉल में इस तरह की प्रदर्शनी का आयोजन नई पीढ़ी के लिये सरदार पटेल और भारत के इतिहास को जानने का मौका: श्री पवन सिंह चौहान

31 अक्टूबर से 4 नवम्बर तक चलेगी प्रदर्शनी,जनता के लिये प्रवेश निशुल्क

देशभक्ति गीतों पर आधारित फ्लैस माब की प्रस्तुति का लोगों ने उठाया आनंद

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारत सरकार के सूचना प्रसारण एवं मंत्रालय के विभाग केंद्रीय संचार ब्यूरो लखनऊ के द्वारा लुलु मॉल लखनऊ में राष्ट्रीय एकता दिवस एवं नौ साल– सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण विषय पर चित्र प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है ।जिसका आज उदघाटन विधान परिषद सदस्य पवन सिंह चौहान ने किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए एमएलसी पवन सिंह चौहान ने कहा कि एकता दिवस के मौके पर मॉल में इस तरह की प्रदर्शनी के आयोजन से नई पीढ़ी को सरदार वल्लभभाई पटेल की जीवनी,कार्यों और प्रयासों व भारत के इतिहास को जानने का मौका मिलेगा ।उन्होंने कहा कि आज हमारे देश के पहले गृह मंत्री और श्भारत के लौह पुरुषश सरदार वल्लभभाई पटेल की 148वीं जयंती है और पूरा देश 2014 से हर वर्ष इस दिन को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाता आ रहा है।

श्री चौहान ने कहा कि आजादी के बाद अंग्रेजों ने भारत को खंडित करके छोड़ दिया था और उस समय भारत के लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल ने 550 से अधिक रियासतों को एक सूत्र में पिरोकर वर्तमान भारत माता का मानचित्र बनाने का बेहद गौरवपूर्ण और बड़ा कार्य किया था। श्री चौहान ने कहा कि चित्र प्रदर्शनी में भारत के संपूर्ण इतिहास को संक्षेप में आसान भाषा में समझाया गया है जिसे युवा और छात्रों को समझना चाहिए।

श्री चौहान ने आगे कहा कि यहां पर दूसरे विषय की प्रदर्शनी जो 9 साल– सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण पर है उसे आम जनता को केंद्र सरकार द्वारा विगत 9 वर्षों में चलाये गये कार्यक्रमों,नीतियों और उनकी उपलब्धियों का ज्ञान होगा और आम जनमानस इन योजनाओं,कार्यक्रमों और नीतियों का ज्यादा से ज्यादा लाभ ले सकेंगे।

चित्र प्रदर्शनी के उदघाटन के पश्चात विधानपरिषद सदस्य पवन सिंह चौहान, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अपर महानिदेशक विजय कुमार,निदेशक मनोज कुमार वर्मा ,रिजीनल मैनेजर लुलु बीजू सुगाथन, जनरल मैनेजर रीटेल लुलु नुमान अजीज खान और जनरल मैनेजर लुलु माल समीर वर्मा ने साझा प्रेस कांफ्रेंस की। प्रेस वार्ता में मनोज कुमार वर्मा ने कहा कि उनके द्वारा लगायी गयी प्रदर्शनी में देश की अखंडता और एकता के लिये सरदार वल्लभभाई पटेल द्वारा किये गये कार्य की झलक साफ देखी जा सकती है। उन्होंने पत्रकारों और आमजनों से एकता दिवस के महत्व को जानने के लिये प्रदर्शनी के अवलोकन का अनुरोध किया । श्री वर्मा ने कहा कि आज इस राष्ट्रीय एकता दिवस का ऐतिहासिक महत्व इसलिए भी है क्योंकि श्आजादी के अमृत महोत्सवश के शुभारंभ के बाद यह श्अमृत कालश का प्रथम राष्ट्रीय एकता दिवस है।

जनरल मैनेजर रीटेल लुलु नुमान अजीज खान ने पत्रकारों को संबोधित करते हुये कहा कि भारत में विभिन्न भाषाये बोली जाती हैं और भारत की विशेषता है कि यहां की विभिन्नता में ही एकता है।उन्होंने कहा कि सूचना प्रसारण मंत्रालय द्वारा इस तरह की चित्र प्रदर्शनी का आयोजन आमजनों तक सरदार पटेल के संदेश को ले जाने के लिये सराहनीय कदम है। भारत सरकार द्वारा पिछले नौ वर्षों में किये गये कार्यों को भी यहां प्रदर्शनी में दर्शाया गया है जिसे देखकर लोग उनका ज्यादा से ज्यादा लाभ ले सकते हैं।

केंद्रीय संचार ब्यूरो, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय लखनऊ द्वारा लुलु माल में लगायी गयी यह प्रदर्शनी चार नवम्बर तक लगी रहेगी जो जनता के लिये पूर्णतरू निरूशुल्क है।

पटेल के सपनों का भारत बनाने के लिए राष्ट्रीय लोकदल संकल्पबद्ध

रालोद कार्यालय में मनाई गई पटेल जयंती

संवाददाता

लखनऊ। राष्ट्रीय लोकदल के प्रदेश कार्यालय में लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयन्ती मनाई गई। रालोद नेताओं और कार्यकर्ताओं द्वारा हजरतगंज स्थित पटेल प्रतिमा और कार्यालय में उनके चित्र पर मार्ल्यापण कर एक विचार गोष्ठी आयोजित की गयी ।बैठक की अध्यक्षता कर रहे प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने गोष्ठी को संबोधित करते हुये कहा कि अराजकता एवं राजनीति के अपराधीकरण से मुक्त पटेल के सपनों का भारत बनाने के लिए राष्ट्रीय लोकदल संकल्पबद्ध है। राष्ट्रीय लोकदल लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल के विचारों, कार्यक्रमों और नीतियों को प्रचारित एवं प्रसारित करने में सदैव अग्रणी रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरदार पटेल के नाम का सहारा केवल चुनावी लाभ के लिए ले रही है। राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनिल दुबे ने कहा कि राष्ट्रीय लोकदल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी सरदार पटेल के विचारों का अनुसरण करते हुए समाज में भाईचारा कायम रखने हेतु भाईचारा सम्मेलन आयोजित कर रहे हैं। 565 रियासतों को भारत में विलय कराने वाले लौह पुरुष सरदार पटेल को सादर श्रद्धांजलि है। इस अवसर पर राष्ट्रीय सचिव ओंकार सिंह एवं राष्ट्रीय सचिव अनुपम मिश्रा ने भी गोष्ठी में सरदार पटेल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन प्रदेश प्रवक्ता अंकुर सक्सेना ने किया।

एस0 के0 डी0 ग्रुप के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर एस के डी डिग्री कालेज में डी0 फार्मा कोर्स व एस के डी कोचिंग में टैलेण्ट सर्च एक्जाम को लॉन्च किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। आज 01 नवम्बर, 2023 को एस0 के0 डी0 एकेडमी रायबरेली रोड वृन्दावन शाखा में एस0 के0 डी0 (एजूकेशन एवं हेल्थ केयर) के संस्थापक एस0 के0 डी0 सिंह का जन्मोत्सव ''स्थापना दिवस''गत वर्षो की भांति बड़ी धूमधाम से मनाया गया इस अवसर पर विद्यालय की पाँचों शाखाओं में विशेष सभा हुई जिसका प्रारम्भ सरस्वती वंदना एवं दीप प्रज्जवलन से हुआ।बच्चों ने एवं समस्त स्टॅाफ ने कार्यक्रम की शुरूआत संस्थापक को सम्मानित करते हुये गुर्रूब्रह्मा, गुरूविष्णु गुर्रूदेवो महेश्वरः, गुरूः साक्षात् परमब्रह्माः तस्मै श्री गुरूबे नमः, यह श्लोक गाकर किया। संस्थापक महोदय ने बड़े ध्यान से सुना एवं भूरि भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर वृन्दावन शाखा में विशेषपूजा एवं हवन का आयोजन विधि विधान से किया गया। सभी कर्मचारियों ने एसकेडी सिंह की दीर्घायु व एसकेडी ग्रुप की उन्नति के लिए कामना की। एसकेडी कोचिंग में पढ़ने वाले बच्चों ने सम्मानित करते हुये इस दिन को हर्षोल्लास के साथ सभी बच्चों एवं अभिभावकों ने मनाया।

इस अवसर पर एस के डी ग्रुप के निदेशक मनीष सिंह ने कहा कि एस0के0डी0 सिंह ने इस संस्था की नींव रखने से लेकर आज तक कड़ी मेहनत की। एस0 के0 डी0 ग्रुप के स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर एस के डी डिग्री कालेज में डी0 फार्मा कोर्स की व एस के डी कोचिंग में टैलेण्ट सर्च इक्जाम को लॉन्च किया गया।

साथ ही सम्बोधित करते हुए निदेशक ने कहा 1 नवम्बर एस0के0डी0 सिंह का जन्मोत्सव (स्थापना दिवस) हमें हर वर्ष यह संदेश देकर प्रेरित करता है कि ''कठोर परिश्रम ही सफलता का मूल आधार है''। आप कई वर्षों से शिक्षा के द्वारा समाज को शिक्षित करने में लगे हैं जोकि अद्वितीय व अतुलनीय है। एस0के0डी0 सिंह हम सभी के लिए एक बेमिसाल रत्न हैं।

तत्पश्चात् एस0के0डी0 सिंह ने ईश्वर को नमन करते हुये सभी को आशीर्वचन देते हुये कहा कि मैं बहुत भाग्यशाली हूँ कि मेरा जन्म भारतवर्ष में हुआ जहाँ से इतनी अच्छी संस्कृति का समावेश हमारे जीवन में हुआ मैं ईश्वर का आभार व्यक्त करता हूँ कि मुझे भौतिकी पढ़ाने का अवसर मिला एवं ईश्वर से यही प्रार्थना है कि अधिक से अधिक बच्चों को शिक्षित करके समाज में शिक्षा का दीप प्रज्वलित करते रहें।

संस्थापक एसकेडी सिंह ने सभी को आशीर्वाद देते हुए सभी को विश्वास दिलाया कि वे शिक्षा के क्षेत्र में प्रत्येक बच्चे की उन्नति के लिए प्रयासरत रहेंगे।

श्री बाल रामलीला समिति ऐशबाग (खजुआ) द्वारा भरत मिलाप की शोभा यात्रा

मृत्युंजय प्रताप सिंह पत्रकार

राजधानी लखनऊ रू सोमवार को श्री बाल रामलीला समिति खजुआ ऐशबाग का भरत मिलाप की शोभा यात्रा सायं काल 7 बजे नादान महल रोड़ से प्रारम्भ होकर अहियागंज चौराहा, कंघी वाली गली, पंडित केदारनाथ शर्मा रोड़, ऐशबाग चौराहा, टिकैत गंज , खजुआ, शास्त्री नगर चौराहा, बिरहाना, पांडेय गंज , रकाबगंज चौराहा होते हुए अहियागंज बाजार, अहियागंज बर्तन बाजार में श्री कन्हैयालाल अग्रवाल जी (नगीना जी) के जहां अयोध्या नगरी में भगवान् श्री राम जी का मिलन अपने प्रिय भ्राता भरत एवम् शत्रुघ्न जी से मिलन हुआ श्री बाल रामलीला समिति खजुआ की स्थापना लाला मुकंदलाल अग्रवाल जी ने अपने सहयोगी लाला बनवारीलाल अग्रवाल जी, लाला हीरालाल अग्रवाल जी, लाला कन्हैयालाल अग्रवाल जी, लाला लक्ष्मण दास अग्रवाल जी, लाला भरतलाल जी एवम् अन्य गणमान्य सदस्यों के द्वारा सन् 1945 में स्थापित किया था उसके बाद रामलीला समिति में लाला गोपाल दास अग्रवाल, लाला तिरलोकी नाथ अग्रवाल, लाला मुन्ना लाल अग्रवाल लाला छोटे लाल अग्रवाल, लाला मन्ना लाल अग्रवाल, सूरज नारायण महेश्वर, पंडित बालक राम मिश्र (गुरु जी) लाला राजकिशोर अग्रवाल, पंडित द्वारिका नाथ पाधा (चुन्नी लाल पाधा) राजा भर्ध्दया परभाशंकर अग्रवाल, प्रेमचन्द अग्रवाल, रामदास अग्रवाल एवम् सूर्य कुमार माली ने इस परंपरा को आगे बढ़ाया आज वर्तमान में समिति के अध्यक्ष श्री शैलेन्द्र कुमार अग्रवाल (शीलू भर्ध्दया) वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री कन्हैयालाल अग्रवाल जी (नगीना जी) , उपाध्यक्ष एवम् भरत मिलाप संयोजक श्री राकेश कुमार अग्रवाल जी, श्री पप्पू सेठ जी, श्री संगमलाल गुप्ता जी (महामंत्री) श्री मनोज अग्रवाल जी, श्री महेश चन्द्र अग्रवाल जी, श्री बब्लू अग्रवाल जी, एवम् आशुतोष शर्मा और समिति के सभी गणमान्य सदस्यों के साथ श्री राम लीला समिति खजुआ की रामलीला एवम् भारत मिलाप शोभा यात्रा एवम् भगवान् श्री राम चन्द्र जी के राज्याभिषेक के साथ सम्पन्न होता चला आ रहा है भरत मिलाप शोभा यात्रा में हाथी, ऊंट, घोड़े, बग्घियों पर सुन्दर सुन्दर स्वरूप एवम् गाजे बाजे बैंड बाजे के साथ धूमधाम से निकली भगवान् श्री राम और भरत जी का मिलन भरतलाल त्रिलोकीनाथ के प्रतिष्ठान के सामने अपार राम भक्तों के जय घोष के साथ मिलन हुआ।

जय सियाराम

पर्वतारोहण दल का हुआ भव्य स्वागत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

रुड़की, हरिद्वार। 84 उत्तराखंड बटालियन एनसीसी, रुड़की के कमान अधिकारी कर्नल रामाकृष्णन रमेश द्वारा माउंट ठेलू, उत्तरकाशी मनाली पर्वतारोहण व ग्लेशियर दल के पर्वतारोहियों एनसीसी कैडेट्स का बटालियन परिसर में जोरदार स्वागत किया गया वह उनकी इस उपलब्धि पर उन्हें बहुत–बहुत शुभकामनाएं दी गई ।आज बटालियन पहुंचे कैडेट्स में एसयूओ खुशी पवार पुत्री संजय कुमार निवासी ग्राम मिरगपुर, देववृन्द जो बीएसएम (पीजी) कॉलेज, रुड़की की एनसीसी कैडेट है द्वारा उत्तरकाशी जिले में स्थित 6002 मीटर में स्थापित माउंट ठेलू पर पहुंचने वाली उत्तराखंड राज्य की इकलौती एनसीसी कैडेट का जोरदार स्वागत किया गया । वहीं दूसरी ओर अटल बिहारी वाजपेई पर्वतारोहण व खेलकूद संस्थान, मनाली द्वारा आयोजित पर्वतारोहण व ग्लेशियर कैंप में उत्तराखंड राज्य से चयनित कैडेट ज्योर्तिमय सपरा पुत्र श्री संजय कुमार सपरा निवासी प्रीत विहार रुड़की व कैडेट निशांत उपाध्याय पुत्र श्री नित्यानंद उपाध्याय निवासी ढंडेरा, रुड़की द्वारा हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में आयोजित किए गए पर्वतारोहण व ग्लेशियर कैंप में सफलतापूर्वक प्रतिभाग कर बटालियन के साथ–साथ एनसीसी ग्रुप मुख्यालय रुड़की व समस्त रुड़की शहर निवासियों का भी नाम रोशन किया गया। बटालियन में आयोजित किए गए स्वागत समारोह में सूबेदार मेजर केदार सिंह, सूबेदार यतेंद्र सिंह, सूबेदार संजय कुमार सामल, सूबेदार पंकज पाल, मुख्य सहायक गोपाल शर्मा व कैडेट्स को इन महत्वपूर्ण कैंपों में प्रतिभाग करने के लिए प्रेरित करने वाले सीनियर ट्रेनिंग को–ऑर्डिनेटर रवि कपूर, संदीप बूडाकोटी, सुनील, अश्वनी, राजवीर, विमल, पुरुषोत्तम, सुभाष, अनुज गिरी आदि उपस्थित रहे ।

50 घाट पर 24 लाख दीये बिछाने के साथ 21 लाख से अधिक दीये प्रज्ज्वलित कर बनेगा विश्व रिकार्ड

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार ।अयोध्या दीपोत्सव में हर वर्ष बढ़ती गई समृद्धि इस प्रकार है ।

2017 में 1.71 लाख
2018 में 3.01 लाख
2019 में 4.04 लाख
2020 में 6.06 लाख
2021 में 9.41 लाख
2022 में 15.76 लाख
दीपों का गिनीज रिकॉर्ड
2023 में 24 लाख का लक्ष्य रखा गया है।

'अयोध्या में दीपोत्सव पर इस बार निकलेंगी 11 झाकियां'

'11 रथ पर सवार होंगे कलाकार'

दीपोत्सव में सबसे ज्यादा आकर्षण का केंद्र रामायण कालीन शिक्षा पर आधारित सामाजिक संदेश देने वाली झांकी होगी। नगर भ्रमण करने वाली झांकियों से संबंधित कलाकार 11 रथ पर सवार होंगे, जो अपनी कला के जरिये रामायण कालीन दृश्यों को जीवंत करेंगे।

'11 झांकियों में क्या क्या रहेगा'

अयोध्या से 11 ट्रकों की झांकियां निकलेगी। जिसमें पुत्रेष्ठि यज्ञ एवं सबको सुरक्षा, भयमुक्त समाज, गुरूकुल शिक्षा एवं बच्चों का अधिकार, बेसिक शिक्षा, राम सीता विवाह एवं बेटियों के विवाह हेतु सरकार द्वारा की जा रही व्यवस्था, अहिल्या उद्धार एवं मिशन शक्ति, नारी सुरक्षा, नारी सम्मान, नारी स्वालम्बन, 1090 एवं 1076 की सुविधा, पंचवटीध्वन एवं पर्यावरण, रामेश्वरम सेतु एवं उप्र में पुलों का निर्माण, पुष्पक विमान एवं विज्ञान एवं प्रौद्यागिकी, बेहतर वायु कनेक्टिविटी, केवट प्रसंग एवं समाज कल्याण, राम दरबार एवं बेहतर कानून व्यवस्था, शबरी–राम मिलाप एवं महिला कल्याण, लंका दहन एवं अपराधियों एवं भूमाफियाओं के विरूद्ध अभियान की झांकियां होगी।

'8 नवंबर को होगा आयोजन'

झांकियों से जुड़ा आयोजन 8 नवंबर को होगा। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के दूसरे कार्यकाल का यह दूसरा दीपोत्सव है, जिसे भव्य और दिव्य बनाने के लिए तैयारियां युद्ध स्तर पर चल रही हैं। करीब 21 लाख दीप जलाकर राम की पैड़ी पर फिर विश्व रिकॉर्ड बनाया जाएगा।

'दीपोत्सव को ऐतिहासिक बनाने के लिए अयोध्या की राम की पैड़ी एवं चौधरी चरण सिंह के 51 घाटों पर 21 लाख दीपों को प्रज्ज्वलित करने के लिए 24 लाख से अधिक दीए 25 हजार से अधिक वालंटियर्स द्वारा सजाये और प्रज्ज्वलित किए जायेंगे।'

इस बार 51 घाटों पर 21 लाख से अधिक दीपों को प्रज्ज्वलित किया जायेगा। इसके लिए घाटों पर 14 गुणे 14 के 12 हजार 500 ब्लाक बनाये जायेंगे, जिनमें 24 लाख दीए बिछाये जायेंगे।

'दीपोत्सव को भव्य बनाने के लिए आठ नवम्बर से दीये बिछाने का काम होगा शुरू'

'घाटों पर 14 14 का एक ब्लॉक बनाया जायेगा, जिसमें 196 दीये सजाये जाएंगे'

'दीपोत्सव 2023 रू 47 घाटों पर आसमान को जमीन पर उतारेंगे 25 हजार वॉलेंटियर्स'

अयोध्या के 51 घाटों पर 21 लाख से अधिक दीए प्रज्ज्वलित कर विश्व कीर्तिमान बनाने के लिए आवासीय परिसर सहित सम्बद्ध 27 महाविद्यालयों, 19 इंटरमीडिएट कॉलेज व 45 स्वयंसेवी संस्थाओं की बढ़चढ़ कर सहभागिता होगी। घाटों पर 24 लाख से अधिक दीप बिछाने के लिए 25 हजार से अधिक स्वयंसेवक शामिल होंगे। इनमें शिक्षक, छात्र–छात्राएं, एनसीसी कैडेट्स व स्वयंसेवक रहेंगे।

राष्ट्रीय एकता शपथ एवं राष्ट्रीय एकता दौड़ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी, लखनऊ में 31 अक्टूबर 2023 को अखंड भारत के शिल्पकार सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयंती के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय एकता शपथ एवं राष्ट्रीय एकता दौड़ कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय के कुलपति, प्रो. भानु प्रताप सिंह ने सभी विद्यार्थियों को लौह पुरुष सरदार बल्लभ भाई पटेल के राष्ट्र निर्माण के योगदान पर चर्चा की एवं सभी से उनके मार्गों पर चलने का अनुरोध किया, जिससे राष्ट्र की सुरक्षा अक्षुण्य रहे। डॉ. सपन अस्थाना, अधिष्ठाता (शैक्षणिक) एवं कार्यक्रम अधिकारी,

राष्ट्रीय सेवा योजना ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया एवं राष्ट्रीय एकता दिवस की शपथ दिलाई। राष्ट्रीय एकता दौड़ का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के कुलपति के कर कमलों से किया गया । कार्यक्रम का संचालन डॉ. विजय श्रीवास्तव, उप–अधिष्ठाता (शैक्षणिक) ने किया। डॉ. हिमानी कुलश्रेष्ठा एवं विद्यार्थियों की टीम ने राष्ट्रगान कर कार्यक्रम का समापन विधिवत किया। इस अवसर पर प्रो अखंड प्रताप सिंह – कुलसचिव, महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इनफार्मेशन टेक्नोलॉजी ने सभी को बधाई प्रेषित की। इसीक्रम में डॉ स्मृति श्रीवास्तव–संकायाध्यक्ष, महर्षि स्कूल ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट, डॉ नीरज जैन–संकायाध्यक्ष, महर्षि स्कूल ऑफ साइंस एंड ह्यूमनिटीज, डॉ कल्याण अचरज्या–संकायाध्यक्ष, महर्षि स्कूल ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी, डॉ शिखर वर्मा–संकायाध्यक्ष, महर्षि स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेज एवं विश्वविद्यालय के सभी संकाय सदस्य एवं विद्यार्थी बहुत संख्या में विश्वविद्यालय के मैदान में उपस्थित रहे।

एकता दौड़ में 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी नवयुग कन्या महाविद्यालय , राजेंद्र नगर, लखनऊ की 10 एनसीसी कैडेट्स ने मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी के नेतृत्व में भाग लिया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सरदार वल्लभभाई पटेल जयंती 'राष्ट्रीय एकता दिवस' पर दिनांक 31 अक्टूबर 2023 को लखनऊ के पटेल चौक से आयोजित 'एकता दौड़' में राष्ट्रीय कैडेट कोर उत्तर प्रदेश निदेशालय के कैडेट्स एवं अधिकारियों ने बड़ी संख्या में प्रतिभाग किया । लखनऊ मुख्यालय के ग्रुप कमांडर ब्रिगेडियर नीरज पुनेठा भी सम्मिलित हुए । इस एकता दौड़ में 19 उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी नवयुग कन्या महाविद्यालय , राजेंद्र नगर, लखनऊ की 10 एनसीसी कैडेट्स ने मेजर (डॉ.) मनमीत कौर सोढ़ी के नेतृत्व में भाग लिया।

एकता दौड़ को भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, उपमुख्यमंत्री बृजेश पाठक एवं केशव प्रसाद मौर्य, महापौर सुषमा खर्कवाल समेत कई विशिष्ट अतिथियों ने झंडी दिखाकर रवाना किया ।

एकता दौड़ पटेल चौक से आरंभ होकर केडी सिंह बाबू स्टेडियम तक हुई ।

लखनऊ के सांसद एवं भारत सरकार रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों ने सरदार पटेल के जीवन एवं 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के उनके स्वप्न को साकार करने के लिए सभी को प्रेरित किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी को एकता दिवस की शपथ भी दिलाई कि सभी राष्ट्र की एकता अखंडता और सुरक्षा को बनाए रखने के लिए भरसक प्रयत्न करेंगे एवं देश के आंतरिक सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए संकल्पित रहेंगे। भारत माता की जय के उद्घोष के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

आजम के जौहर ट्रस्ट से वापस ली गई जमीन

संवाददाता

लखनऊ। सीतापुर जेल में बंद सपा नेता आजम को एक और झटका लगा है। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अगुवाई में हुई कैबिनेट बैठक में जौहर ट्रस्ट को 100 रुपए सालाना किराए पर 30 साल के लीज पर दी गई जमीन को शिक्षा विभाग को वापस देने का प्रस्ताव पास हो गया। सपा सरकार में शिक्षा विभाग की 41181 वर्गफुट की जमीन जौहर ट्रस्ट को दी गई थी। वित्त मंत्री सुरेश खन्ना ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि आज हुई कैबिनेट बैठक में 21 में से 20 प्रस्तावों पर मुहर लगी। जिन प्रस्तावों पर लगी मुहर उनमें क्रमशः मिर्जापुर–सोनभद्र में बनेगा एससी एसटी संग्रहालय,आगरा, गाजियाबाद, गोरखपुर, पीपीपी मॉडल पर संचालित किए जाएंगे राजकीय पॉलिटेक्निक और औधोगिक संस्थान,ईओडब्ल्यू में राज्य विशेष अनुसंधान दल के विलय को मंजूरी,सीबीसीआईडी में विशेष अनुसंधान शाखा कॉपरेटिव के विलय की मंजूरी,यूपी112 आपातकालीन सेवा को आगामी 3 वर्ष के लिए आगे बढ़ाया गया,यूपी–112 में सुधार कर 13 मिनट किया गया।

एसजीपीजीआई में पूर्व सांसद पुत्र की मौत का मामला

संवाददाता

लखनऊ। एसजीपीजीआई में बांदा के पूर्व सांसद भैरव प्रसाद मिश्रा के पुत्र प्रकाश मिश्रा की मौत का मामला तूल पकड़ने के बाद अब चिकित्सा संस्थान प्रशासन हरकत में आया था। प्रकरण की जांच रिपोर्ट निदेशक की तरफ से चिकित्सा शिक्षा विभाग को भी सौप दी गई हैं। अब अटकलें ये भी हैं कि ड्यूटी पर मौजूद मेडिकल अफसर के अलावा कुछ अन्य पर भी कार्रवाई की जा सकती हैं। इससे पहले सोमवार को ही डिप्टी सीएम स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक ने ड्यूटी पर तैनात इमरजेंसी मेडिकल अफसर को हटाने के आदेश दे दिए थे। घटना के बाद एसजीपीजीआई निदेशक प्रो.आरके धीमन ने सीएमएस की अध्यक्षता में तीन सदस्यीय जांच कमेटी का गठन किया गया था। 2 दिन के भीतर ही जांच पूरी करके रिपोर्ट देने को कहा गया था। 2 दिन की मियाद सोमवार को पूरी होनी थी। इस बीच 3 सदस्यीय जांच समिति ने 2 दिन में जांच पूरी करके रिपोर्ट निदेशक प्रो. आरके धीमन को सोमवार रात 9. 30 को सबमिट कर दिया। बाद में निदेशक ने रिपोर्ट चिकित्सा शिक्षा विभाग को सौप दी ।कहा जा रहा हैं कि निदेशक की तरफ से कुछ अन्य लोगों के खिलाफ भी लापरवाही बरतने के कारण कार्रवाई करने की बात कही गई हैं। हालांकि अभी तक इसकी कोई आधिकारिक पुष्टि नही हैं। इससे पहले सोमवार को ही इमरजेंसी मेडिकल ऑफिसर डा. चंद्रशेखर बाजपेयी को संस्थान की सेवाओं से कार्यमुक्त कर दिया गया। ईएमओ की तैनाती पीएमएस सेवा के तहत एसजीपीजीआई के इमरजेंसी मेडिसिन विभाग में की गई थी। संस्थान में लगातार इमरजेंसी मेडिसिन विभाग के बेड की संख्या में इजाफा करने का दावा किया जा हैं। इसके लिए अनुभवी मेडिकल डॉक्टर्स की व्यवस्था चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग द्वारा की गई हैं। यही कारण हैं कि संस्थान में पीएमएस संवर्ग के डॉक्टरों की भी तैनाती हैं। एसजीपीजीआई निदेशक प्रो.आरके धीमन ने बताया कि जांच रिपोर्ट शासन को भेज दी गई हैं। एसजीपीजीआई की पहचान मरीजों के बेहतरीन इलाज को लेकर हैं। यही कारण है।

गोमती नदी में मिला युवक का शव, नहीं हुई शिनाख्त

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में गोमती नदी में एक युवक का शव मंगलवार दोपहर उतराता मिला। राहगीरों ने शव की सूचना पर पुलिस कंट्रोल रूम को दी। सूचना पर पहुंची हजरतगंज पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। शव पानी के दूर से बहकर आने की आशंका जताई जा रही है। शव की शिनाख्त के लिए आसपास के थानों और जिलों से लापता लोगों की सूची का मिलान कराया जा रहा है। निशातगंज गोमती नदी में मिले युवक के शव पर नीली जींस और बादामी शर्ट थी।

बैंक से ज्यादा ब्याज दिलवाने के नाम पर ठगी

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ में एक ठग ने खुद को हजरतगंज स्थित एक निजी बैंक का कर्मचारी बताकर अपनी परिचित महिला को ज्यादा ब्याज दिलाने की स्कीम बता कर खाता खुलवा दिया। इसके साथ ही कुछ सादे कागजों पर साइन करवाकर चेक बुक भी अपने पास रख ली। जिसकी मदद से खाते से 5.30 लाख रुपए निकाल लिए। पीड़िता का बैंक जाने पर खाते ट्रांजेक्शन का पता चला। पीड़िता का आरोप है कि आरोपी ने पैसा मांगने पर जान से मारने की धमकी दी। ठाकुरगंज थाना पुलिस एफआईआर दर्ज मामले की जांच कर रही है। बड़ी मस्जिद मुसाहिबगंज निवासी जहीन के मुताबिक उनके परिचित जहान आलम उर्फ सोनू ने पिछले दिनों बताया कि उसकी नौकरी हजरतगंज स्थित यश बैंक में लग गई है। साथ ही बैंक की स्कीम की एक स्कीम बताते हुए कहा कि यदि मेरी बैंक में एक साथ 20 लाख रुपए जमा करोगी। तो हर महीने 13 सौ रुपए ब्याज मिलेगा। इसके अलावा तिमाही जमा रकम पर पांच प्रतिशत की दर से रिटर्न भी दिया जाएगा।

अवैध खनन को लेकर पकड़ी गई पोकलैंड व मोटरसाइकिल को किया सीज

संवाददाता

लखनऊ। बीती देर रात एसडीएम ने मलिहाबाद तहसील के मलहा गांव में हो रहे अवैध खनन पर मौके से पोकलैंड पकड़ा है। अवैध खनन की कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। देर रात करीब 1 बजे एसडीएम मीनाक्षी पांडेय ने मौके पर जाकर हो रहे अवैध खनन को लेकर कार्रवाई की। वहीं इस दौरान अवैध खनन कर रहे खनन माफिया भागने में सफल रहे। एसडीएम ने क्षेत्रीय खनन अधिकारी व तहसील टीम को खेत की पैमाइश करने के निर्देश दिए।

हिन्दी सांध्य दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित ।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायलय होगा।